mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-142 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

25 मई 2025 रविवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

केएल राहुल को ...

@ पेज 7

आतंकियों को भारत की जमीन पर नहीं दफनाया जाएगा, और न ही...

नई दिल्ली (एजेंसी)। , ग्वालियर- आतंकवाद पर एक बड़ी चोट की गई है। ऑल इंडिया इमाम ऑर्गेनाइजेशन के चीफ इमाम डॉ उमर अहमद इलियासी ने आतंकवाद के खिलाफ फतवा जारी किया है। उन्होंने फतवा

● चीफ इमाम डॉ उमर अहमद का फतवा जारी

जारी कर कहा है, देश में मरने वाले आतंकवादी के जनाजे की नमाज नहीं पढ़ाई जाएगी। आतंकियों को भारत की जमीन पर नहीं दफनाया जाएगा। आतंकी संगठन अपने नाम से इस्लाम और मोहम्मद जैसे पाक शब्द भी हटाएं।

इलियासी ने लव जिहाद को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा, जो शादी समाज में होती हैं, उनमें बरकत होती है। जिहाद जैसे शब्द ही नापाक हैं, जिन शादियों से फसाद फैलता हो, उससे बचना चाहिए। परहेज करना चाहिए। नाम व पहचान छुपाकर ऐसे कामों को नहीं करना चाहिए। समाज में अछे लोग यादा होते हैं, और बुरे लोग कम होते हैं। बलूचिस्तान की मांग को लेकर चीफ इमाम ने कहा, मुस्लिम समाज भारत की डिप्लोमेसी और पॉलिसी के साथ है। बलूचिस्तान की लंबे समय से मांग हो रही है। पाकिस्तान अन्याय कर रहा है, बलूचिस्तान की आजादी का वक्त आ गया है। आजादी सभी का अधिकार, बलूचिस्तान आजाद होना चाहिए।

शंकराचार्य के इस्लाम को आतंकवाद का धर्म बताने वाले बयान पर चीफ इमाम इलियासी बोले, आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता है। आतंकवादी, आतंकवादी होता है, शैतान होता है। शैतान के साथ शैतानों सा व्यवहार करना चाहिए।

जनसंख्या नियंत्रण कानून को लेकर इलियासी ने कहा, जनसंख्या नियंत्रण कानून राष्ट्रीय विषय है। जो देशहित में होता है, उस पर किसी को आपत्ति नहीं होना चाहिए। वक्फ कानून को लेकर डॉ इलियासी ने कहा, मामला विधाराधीन है, फिर भी भारत सरकार जो नया कानून लाई है, वह कहीं ना कहीं बेहतर है। भारत पाक तनाव पर राहुल गांधी के सवालों को लेकर इलियासी ने कहा, मैं किसी भी उन वक्तव्यों को नहीं मानूंगा, जो देश की पॉलिसी के विरोध में हो। आज भारत एकजुट है और जब से पीएम मोदी आए हैं, विपक्ष लगातार हमलावर है। विपक्ष खुद ईमानदार नहीं है। 2014 में आई मोदी सरकार ने कोई तो सही काम किया होगा, हर काम का विपक्ष द्वारा विरोध करना, उन पर सवाल खड़े करता है। देशहित में हो रहे कार्यों पर प्रधानमंत्री का समर्थन करना चाहिए, खासतौर पर आतंकवाद के मामले में। इलियासी ने कहा, सोशल मीडिया पर भी लोगों के अलग अलग मत हैं। एकजुटता के साथ ही आतंकवाद से मुकाबला हो सकता है। कोई सवालिया निशान ना लगाया जाए। ग्वालियर में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने आए डॉ इल्यासी ने मीडियाकर्मियों के सवालों का जवाब देते हुए ये बातें कहीं।

संक्षिप्त समाचार

जयशंकर ने जर्मनी में की भारतीय समुदाय के साथ बैठक

बर्लिन (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शुक्रवार को जर्मनी के बर्लिन शहर में भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने न केवल भारत-जर्मनी संबंधों की प्रगति पर चर्चा की, बल्कि प्रवासी भारतीयों की भूमिका को भी अहम बताया। डॉ. जयशंकर ने इस मुलाकात को ÷अच्छी और सार्थक बातचीत÷ बताया। उन्होंने कहा कि भारत और जर्मनी के बीच गहराती रणनीतिक साझेदारी में प्रवासी भारतीयों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। मंत्री ने समुदाय के सदस्यों को संबोधित करते हुए उनसे आग्रह किया कि वे भारत की प्रगति, संस्कृति और मूल्यों की कहानी जर्मनी में अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं। जयशंकर ने कहा, ÷मैंने भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे भारत के विकास की कहानी अन्य के साथ साझा करें और

हमारे द्विपक्षीय संबंधों की पूरी क्षमता को साकार करने में भूमिका निभाएं। आज का भारत आत्मविश्वास से भरा हुआ है, और हम दुनिया के साथ नए सिरे से जुड़ने को तैयार हैं।÷ उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार, व्यापार और सांस्कृतिक क्षेत्रों में भारत-जर्मनी सहयोग को और अधिक ऊंचाई पर ले जाने के लिए प्रवासी भारतीयों की भूमिका एक सेतु की तरह है। जयशंकर ने जर्मनी में बसे भारतीयों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने न केवल अपनी मेहनत और लगन से जर्मन समाज में एक खास जगह बनाई है, बल्कि भारत की सकारात्मक छवि को भी मजबूत किया है।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख बने रहेंगे मोहम्मद यूनुस

ढाका (एजेंसी)। मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख बने रहेंगे। उनके मंत्रिमंडल के एक सलाहकार ने शनिवार को यह जानकारी दी। दो दिन पहले यूनुस के एक प्रमुख सहयोगी ने कहा था कि वह इस्तीफा देने पर विचार कर रहे हैं। सलाहकार परिषद की एक गैर-निर्धारित बैठक के बाद योजना सलाहकार वहीदुद्दीन महमूद ने कहा, उन्होंने (यूनुस) यह नहीं कहा था कि वह पद छोड़ देंगे। उन्होंने कहा था कि हमें सौंपे गए काम और जिम्मेदारियों को पूरा करने में कई बाधाएं आ

रही हैं, लेकिन हम उन पर काबू पा रहे हैं। महमूद ने कहा कि मोहम्मद यूनुस निश्चित रूप से (पद पर) बने रहेंगे। सभी सलाहकार अपने पद पर बने रहेंगे क्योंकि 'हमें सौंपी गई जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है; हम इस कर्तव्य से पीछे नहीं हट सकते।' इससे दो दिन पहले यूनुस ने छात्रों के नेतृत्व वाली नेशनल सिटीजन पार्टी के नेताओं से कहा था कि वह इस्तीफा देने पर विचार कर रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि मौजूदा स्थिति में वह काम नहीं कर सकते। उन्होंने बदलाव को लेकर राजनीतिक दलों के बीच आम सहमति न बन पाने के कारण काम करने में आ रहीं परेशानियों का हवाला दिया था। अचानक बुलाई गई और बंद कमरे में हुई बैठक में 19 सलाहकार शामिल हुए। यह बैठक ढाका के शेर-ए-बांग्ला नगर क्षेत्र में राष्ट्रीय आर्थिक परिषद की कार्यकारी समिति की निर्धारित बैठक के बाद बुलाई गई थी।

सीबीआई को बड़ी कामयाबी, अंगद सिंह चंडोक को अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी कि सीबीआई ने एक बड़े ऑनलाइन धोखाधड़ी मामले में कुख्यात अपराधी अंगद सिंह चंडोक को अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित करने में सफलता हासिल की है। भारतीय नागरिक अंगद सिंह चंडोक पर आरोप है कि उसने शेल कंपनियों का जाल बनाकर ऑनलाइन टेक सपोर्ट घोटाले के जरिए अमेरिकी नागरिकों से लाखों डॉलर की चोरी की।

बताया जाता है कि उसने धोखाधड़ी से कमाए गए इन पैसों को शेल कंपनियों के माध्यम से भारत और अन्य देशों में ट्रांसफर किया था। सीबीआई ने चंडोक को भारत लाने में काफी मेहनत की है।

अमेरिकी न्याय विभाग ने मार्च 2022 में जारी एक प्रेस स्टेटमेंट में बताया था कि चंडोक को अमेरिकी वरिष्ठ नागरिकों के साथ धोखाधड़ी के मामले में दोषी ठहराया गया है। अमेरिकी अदालत ने उसे इस अपराध के लिए 6 साल की सजा सुनाई थी। चंडोक की इस धोखाधड़ी योजना में मुख्य रूप से वरिष्ठ नागरिकों को निशाना बनाया गया, जिन्हें फर्जी टेक सपोर्ट सेवाओं के नाम पर ठगा गया। सीबीआई ने चंडोक को भारत प्रत्यर्पित करने के लिए अमेरिकी अधिकारियों के साथ मिलकर एक लंबी और जटिल कानूनी प्रक्रिया का पालन किया। कई वर्षों की कानूनी लड़ाई के बाद आखिरकार सीबीआई ने उसे भारत लाने में सफलता प्राप्त की।

अब भारत में चंडोक को अदालत में पेश किया जाएगा, जहां सीबीआईउसकी हिरासत की मांग करेगी ताकि मामले की गहन जांच और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा सके। बता दें कि इस प्रत्यर्पण को सीबीआई के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है, क्योंकि यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी के खिलाफ भारत की मजबूत कार्रवाई को दिखाता है। भारत में साइबर क्राइम के मामले सामने आते रहे हैं और देश की कानून प्रवर्तन एजेंसियां आरोपियों पर लगातार कार्रवाई करती रहती हैं।

रोहिणी इलाके में एक सनसनीखेज मुठभेड़

दिल्ली पुलिस के साथ मुठभेड़ में बदमाश को लगी गोली

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गोगी गैंग के कुख्यात बदमाश विकास उर्फ साका के साथ 23 मई 2025 की रात को रोहिणी इलाके में एक सनसनीखेज मुठभेड़ के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। इस एनकाउंटर में विकास के दाहिने पैर में गोली लगी। विकास हरियाणा और राजस्थान पुलिस का वांछित अपराधी था, जो हत्या और अपहरण के एक मामले में फरार चल रहा था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गोगी गैंग का एक अपराधी, जो हत्या के मामले में वांछित है, रोहिणी के बरवाला चौक, यूईआर-द्वद्ध के पास मौजूद है। स्पेशल सेल की टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए विकास को, जो मोटरसाइकिल पर सवार था, घेर लिया।

पुलिस की जवाबी कार्रवाई में विकास को लगी गोली

पुलिस के रुकने के निर्देश के बावजूद विकास ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें एक गोली विकास के दाहिने पैर में लगी। जांच में पता

चला कि विकास उर्फ साका, पुत्र तिलक चंद, उम्र 32 वर्ष, हरियाणा के झज्जर जिले के बुपनिया गांव का निवासी है। वह गोगी गैंग का सक्रिय सदस्य है और राजस्थान के किशनगढ़ बास थाने में दर्ज स्रद्धक्र नंबर 193/25, दिनांक 4 मई 2025, धारा 103 बीएनएस के तहत हत्या और अपहरण के मामले में वांछित था। इस मामले में विकास और उसके चचेरे भाई ने अपने ही गांव के एक व्यक्ति की गला दबाकर हत्या कर दी थी।

विकास और उसके चचेरे भाई ने इसके बाद शव को जलाकर किशनगढ़ बास, राजस्थान के इलाके में फेंक दिया था। इस मामले में हरियाणा में एक गुमशुदगी का मामला भी दर्ज है। मुठभेड़ स्थल से पुलिस ने एक .32 बोर की सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल, 3 जिंदा कारतूस, एक मोबाइल फोन और तिलक नगर, दिल्ली से चोरी की गई एक मोटरसाइकिल बरामद की। विकास के मोबाइल में कुछ संदिग्ध मैसेज भी मिले हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

दिल्ली में कोरोना के 23 मामले आए सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में एक बार फिर कोरोना के मामले सामने आने लगे हैं। अलग-अलग राज्यों से कोरोना के मरीजों की जानकारी सामने आ रही है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोविड-19 के 23 मामले सामने आए हैं।

संक्रमण के मामलों के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने सभी अस्पतालों को बिस्तरों, ऑक्सीजन, दवाइयों और वैक्सीन की उपलब्धता के लिए तैयार रहने को लेकर गाइडलाइन जारी की है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने शुक्रवार को कहा कि गुरुवार तक कोविड-19 के 23 मामले सामने आए हैं। सरकार मरीजों के दिल्ली के निवासी होने या उनके शहर से बाहर की यात्रा करने को लेकर जानकारी जुटा रही है। पंकज सिंह ने एक बयान में कहा, 'दिल्ली सरकार किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। हमने राजधानी दिल्ली के सभी अस्पतालों के चिकित्सा अधीक्षकों, चिकित्सकों और उनकी टीमों के साथ पहले ही समन्वय कर लिया है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने तैयारियों के संदर्भ में अस्पतालों और स्वास्थ्य सुविधाओं को अलर्ट पर रखने को कहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि त्वरित प्रतिक्रिया और देखभाल सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक संसाधन जुटाए जा रहे हैं।

ज्योति मल्होत्रा की बांग्लादेश यात्रा, फिर शेख हसीना सरकार का तख्ता पलट

जांच एजेंसियों की पूछताछ जारी

हासन (एजेंसी)। यूट्यूबर ज्योति को बीते दिनों पुलिस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। इस बीच हरियाणा पुलिस और केंद्रीय जांच एजेंसियों ने अब यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के बांग्लादेश दौरे को भी जांच के दायरे में ले लिया है। इन्वेस्टिगेशन एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक अब जांच एजेंसियां इस एंगल पर भी जांच कर रही है कि ज्योति किसके कहने पर बांग्लादेश गई थी। क्या ज्योति के बांग्लादेश दौरे पर जाने के पीछे भी पाकिस्तानी दूतावास के अधिकारी दानिश की साजिश है? जांच एजेंसियां इस बात की भी तस्दीक करने में जुटी है कि ज्योति जब बांग्लादेश गई, तब क्या वो पाकिस्तानी दूतावास के अधिकारी दानिश के संपर्क में थी? क्या ज्योति ने बांग्लादेश से दानिश से बात की थी?

यूट्यूबर ज्योति के बांग्लादेश दौरे की खास बात ये है कि ज्योति मल्होत्रा ने बांग्लादेश की जिस ढाका यूनिवर्सिटी के वीडियो बनाए थे, उसी ढाका यूनिवर्सिटी के छात्रों से अपने वीडियो में ज्योति मल्होत्रा बात करते हुए भी नजर आ रही है। बता दें कि ज्योति बांग्लादेश साल 2024 के फरवरी महीने में गई थी और अगस्त 2024 में बांग्लादेश की शेख हसीना सरकार का तख्ता पलट हो गया था। बांग्लादेश की शेख हसीना सरकार का तख्ता पलटने में

ढाका यूनिवर्सिटी के छात्रों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। दरअसल अब जांच एजेंसियां ज्योति से ये पता लगाने में जुटी हैं कि बांग्लादेश में हुए तख्तापलट में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी द्वद्ध की क्या भूमिका थी और यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को इस बारे में कुछ पता था ? जांच एजेंसियां ये भी पता लगाने में लगी हैं कि क्या बांग्लादेश में ज्योति की पाकिस्तानी दूतावास के अधिकारी दानिश के कहने पर किसी ने मदद की थी? दरअसल यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा का बांग्लादेश दौरा इसलिए जांच एजेंसियां के रडार पर है क्योंकि बांग्लादेश जाने के लिए अक्सर भारतीय दुर्गापूजा का समय चुनते हैं, लेकिन ज्योति फरवरी में ढाका गई थी। बता दें कि सुरक्षा एजेंसियों द्वारा लगातार ज्योति मल्होत्रा से पूछताछ की जा रही है।

केरल में 8 दिन पहले ही हो गई मॉनसून की एंट्री

साल 2009 में आखिरी बार हुआ था ऐसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में मॉनसून की एंट्री हो चुकी है। इसे लेकर भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून शनिवार (24 मई) को केरल पहुंचा, जो 2009 के बाद से भारतीय मुख्य भूमि पर इसकी सबसे जल्दी शुरुआत है। 2009 में 23 मई को इसकी शुरुआत हुई थी। आम तौर पर, दक्षिण-पश्चिम मानसून 1 जून तक केरल में दस्तक देता है और 8 जुलाई तक पूरे देश को कवर कर लेता है। यह 17 सितंबर के आसपास उत्तर-पश्चिम भारत से पीछे हटना शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक पूरी तरह से वापस चला जाता है। भारतीय मौसम विज्ञान विभागके आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले साल 30 मई को दक्षिणी राज्य में मानसून आया था। साल 2023 में 8 जून को, 2022 में 29 मई को, 2021 में 3 जून को, 2020 में 1 जून को, 2019 में 8 जून को और 2018 में 29 मई को मॉनसून की एंट्री हुई थी।

मौसम विज्ञानियों के अनुसार, मानसून के आगमन की तिथि और पूरे देश में इस मौसम

में होने वाली कुल वर्षा के बीच कोई सीधा संबंध नहीं है। केरल में मानसून के जल्दी या देर से पहुंचने का मतलब यह नहीं है कि यह देश के अन्य हिस्सों में भी इसी तरह पहुंचेगा। एक अधिकारी ने कहा कि यह बड़े पैमाने पर परिवर्तनशीलता और वैश्विक, क्षेत्रीय और स्थानीय विशेषताओं की निर्भर करता है। अप्रैल महीने में आईएमडी ने साल 2025 के मानसून सीजन में सामान्य से अधिक होने वाली वर्षा का अनुमान लगाया था। साथ ही आईएमडी ने अल नीनो की स्थिति की संभावना को खारिज कर दिया था, जो भारतीय उपमहाद्वीप में सामान्य से कम वर्षा के लिए जिम्मेदार होता है।

'देश को नहीं समझ पाए, विदेश नीति क्या समझेंगे'

बावनकुले ने राहुल गांधी पर कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े सवालों को लेकर घिर गए हैं। इस बीच अब महाराष्ट्र बीजेपी के अध्यक्ष और महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने भी राहुल गांधी पर निशाना साधा है। चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि राहुल गांधी देश नहीं समझ पाए तो विदेश नीति क्या समझेंगे? राहुल गांधी को कुछ समझ में नहीं आता है। वह पढ़ाई नहीं करते हैं और उनमें सीखने की आदत नहीं है। अगर उनको समझ नहीं आता तो सीख लेना चाहिए।

दरअसल, चंद्रशेखर बावनकुले से राहुल गांधी के बयानों को लेकर सवाल किया गया। इस पर महाराष्ट्र बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि राहुल गांधी को तो कुछ समझ में नहीं आता है और वह पढ़ाई नहीं करते हैं।

बावनकुले ने कहा कि राहुल गांधी को सीखने की आदत नहीं है, अगर उन्हें समझ में नहीं आता तो सीख लेना चाहिए। समझ नहीं रहा कि उन्हें क्या हुआ है बावनकुले ने आगे कहा कि राहुल गांधी देश को नहीं समझ पाए तो विदेश नीति और विदेश मंत्रालय क्या समझेंगे?

बावनकुले ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर विदेश मंत्री फेलियर हैं, सरकार फेलियर है तो राहुल गांधी को साल में विदेश जाकर दो-दो महीना रहना चाहिए। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विदेश नीति सीखा रहे हैं। आतंकवाद के खिलाफ किस तरीके से लड़ाई लड़ी जाती है, हमारे भारत के सैनिक कैसे लड़ते हैं ये सब राहुल गांधी को सीखना चाहिए। पीएम मोदी पूरे विश्व को साथ में लेकर चलने का काम कर रहे हैं। अलग-अलग पार्टी के सांसद पूरे विश्व में जाकर आतंकवादियों की करतूत का खुलासा कर रहे हैं। हमने आतंकवाद के खिलाफ किस तरीके से लड़ाई शुरू की है ये बताने का काम कर रहे हैं। राहुल गांधी को भी यह सीखना चाहिए।

दिल्ली की फैक्ट्री में आग लगने से हुआ जोरदार धमाका, इमारत गिरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के बवाना इलाके से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां दिल्ली के बवाना इलाके में शनिवार तड़के एक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग लगने की यह घटना सेक्टर 2, DSIDC बवाना के J-10 की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक सुबह करीब 4.48 बजे एक फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि फैक्ट्री की इमारत में विस्फोट हो गया। इस विस्फोट की वजह से इमारत भी गिर गई। वहीं आग लगने की सूचना दमकल विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई। फिलहाल दमकल विभाग की 17 गाड़ियों को आग पर काबू पाने के लिए लगाया गया है। दमकलकर्मी आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटे हैं। हालांकि गनीमत की बात ये रही कि अब तक इस हादसे में किसी के घायल होने या हताहत होने की खबर नहीं है। फिलहाल मामले की जांच भी की जा रही है। आग लगने के कारणों के बारे में अभी तक कुछ भी स्पष्ट नहीं हो सका है। आग पर काबू पाने के बाद इसपर विस्तार से जांच की जाएगी। आग लगने के बाद से इलाके में धुएं का गुबार दूर से ही देखा जा सकता है।

वन विहार में असम से गेंडा लाने को मंजूरी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में राज्य वन्यप्राणी बोर्ड की बैठक में बुधवार को बैतूल जिले में प्रस्तावित प्रदेश के पहले कंजर्वेशन रिजर्व को मंजूरी दी गई। बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल के सुझाव पर इसका प्रस्ताव तैयार किया गया था। इसके साथ्र ही बालाघाट में सोनेवानी कंजर्वेशन रिजर्व को जिला योजना समिति से स?हमति लेने की शर्त पर मंजूरी दे दी गई है। इंदौर-बड़वाह में प्रस्तावित देवी अहिल्याबाई वाइल्ड लाइफ सेंचुरी और हरदा में प्रस्तावित डॉ. राजेंद्र प्रसाद वाइल्ड लाइफ सेंचुरी को लेकर स्थानीय विधायकों से सहमति नहीं ली गई, इसलिए इन्हें होल्ड पर रखा गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निर्देश दिए हैं कि हरदा और इंदौर की अहिल्याबाई सेंचुरी के लिए सभी स्थानीय विधायकों और सांसदों से पूरी जानकारी लेकर सहमति प्राप्त की जाए। इसके बाद ही इन प्रस्तावों पर आगे चर्चा होगी। स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड ने असम से गेंडा (राइनो) लाकर वन विहार नेशनल पार्क में बसाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसके साथ ही वन विहार में लाए गए दो नर किंग कोबरा (नाग) के बाद मादा किंग कोबरा लाने के निर्देश दिए। वन विभाग के अफसरों ने बताया कि मादा किंग कोबरा के लिए संबंधित राज्यों के साथ बातचीत कर तलाश की जा रही है। सीधी और सिंगरौली जिलों में सोन नदी के उन इलाकों को, जहां घड़ियाल नहीं पाए जाते हैं, डीनोटिफाई करने की मांग पर सीएम ने निर्देश दिए हैं कि इस संभावना पर विचार कर कोई रास्ता निकाला जाए। ताकि घड़ियालों के संरक्षण के साथ ही स्थानीय लोगों की समस्या का समाधान हो सके। बोर्ड ने ताप्ती कंजर्वेशन रिजर्व का क्षेत्रफल 250 वर्ग किलोमीटर मंजूर किया है। इसमें दक्षिण वन मंडल के ताप्ती रेंज का 84 वर्ग किलोमीटर और पश्चिम बैतूल की चिचोली और तावड़ी रेंज का 165 वर्ग किलोमीटर जंगल शामिल होगा। यह इलाका महाराष्ट्र के मेलघाट टाइगर रिजर्व और मप्र के सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के बीच होने के कारण वन्यजीव इसे कॉरिडोर के रूप में इस्तेमाल करते हैं। बोर्ड मेंबर और बैतूल से विधायक हेमंत खंडेलवाल ने सुझाव दिया कि इस इलाके में ट्राइबल कल्चर को प्रमोट करते हुए टूरिस्ट के लिए होम-स्टे निर्माण कराए जा सकते हैं। सीएम ने इस संबंध में प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

संजय एवं बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व की टीमों ने किया उत्पात मचाने वाले हाथी का सफल रेस्क्यू

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। गत् दिवस जंगली हाथी (टस्कर) उत्तर शहडोल डिवीजन से संजय टाइगर रिजर्व के बफर क्षेत्र में ब्योहारी रेंज होते हुए प्रवेश कर गया। उक्त हाथी के उत्पात से शहडोल डिवीजन में तीन जनहानियां हुईं थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए हाथी निगरानी टीम को तुरंत सतर्क कर निरंतर निगरानी व रेस्क्यू प्रबंधन के निर्देश दिए गए। टीम के उत्कृष्ट प्रयासों के चलते हाथी को रेस्क्यू कर सुरक्षित रूप से पाँडी हाथी शिविर तक सफलतापूर्वक पहुँचा दिया गया। संजय एवं बांधवगढ़ दोनों टाइगर रिज़र्व की संयुक्त टीमों ने हाथी का आकलन कर रेस्क्यू प्रक्रिया पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। संजय एवं बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व के फील्ड डायरेक्टर्स के नेतृत्व में रेस्क्यू ऑपरेशन प्रारंभ किया गया। दोपहर लगभग 2 बजे यह हाथी सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर लिया गया। हाथी को परीक्षण एवं पुनर्वास की प्रक्रिया के लिये बांधवगढ़ हाथी शिविर में भेज दिया गया है।

बाल आयोग की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)।सागर में मप्र बाल आयोग की कार्रवाई के बाद चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। बाल संरक्षण गृह में 18 वर्ष तक के बच्चों के साथ बड़ी उम्र के दिव्यांग महिला-पुरुष भी रह रहे थे। रिकॉर्ड के अनुसार, 2019 से 2025 के बीच 8 लोगों की मृत्यु के बाद उनके शव बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज को दे दिए गए, लेकिन देहदान की कानूनी प्रक्रिया नहीं अपनाई गई।

महिला एवं बाल विकास परियोजना बाणगंगा में सशत एवं आत्मनिर्भर महिला एवं आत्मनिर्भर आंगनवाड़ी बनाने की अनूठी पहल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। महिला एवं बाल विकास की संभागीय संयुक्त संचालक श्रीमती नकी जहां कुरैशी के मार्गदर्शन एवं श्री सुनील सोलंकी जिला कार्यक्रम अधिकारी भोपाल के सक्रिय सहयोग से भोपाल जिले के बाणगंगा परियोजना में आंगनबाड़ी क्षेत्र के सर्वे की महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की पहल ॥बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ॥ अंतर्गत देसाई फाउंडेशन ट्रस्ट के सहयोग से प्रियांशी एजुकेशन एंड कल्चर सोशल सोसायटी की प्रमुख डॉ. शालिनी सक्सेना द्वारा नि:शुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। अभियान के समन्वयक श्री अखिलेश चंद्र चतुर्वेदी परियोजना अधिकारी बाणगंगा द्वारा बताया गया कि भीम नगर आंगनबाड़ी केंद्र परिसर में सोलर पैनल तकनीकी के साथ साथ इलेक्ट्रिक वाहन का निःशुल्क प्रशिक्षण ॥॥॥ संस्था के सहयोग से 50 महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं को 3 महीने तक प्रदाय

किया जा चुका है जिसमें उनको सोलर पैनल की तकनीक से संबंधित जानकारी तथा विभिन्न प्रकार के सोलर पैनल, पावर जेनरेशन, वोल्टेज की समझ, इंस्टॉलेशन एवं मरम्मत संबंधी व्यवहारिक प्रशिक्षण एवं 15 दिवसीय इंटर्नशिप भी करवाया गया है जिससे महिलाओं को प्रशिक्षण उपरांत सीधे रोजगार से जोड़ा जा सके और उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सके। सेक्टर झरनेश्वर के पूर्व एमएलए कॉलोनी की आंगनवाड़ी परिसर में आंगनबाड़ी क्षेत्र की सर्वे की 25 महिलाओं एवं बालिकाओं को इलेक्ट्रिक व्हीकल तकनीकी का नि:शुल्क प्रशिक्षण ॥॥॥ संस्था के सहयोग से किया जा रहा है जिसमें पप्रशिक्षार्थियों को इलेक्ट्रिक वाहन की मैकेनिकल तकनीकी, बैटरी की समझ इलेक्ट्रिक वाहन में आने वाली समस्याएं एवं मरम्मत संबंधी प्रशिक्षण विशेषज्ञों के द्वारा प्रदान किया जा रहा है। 3 माह के प्रशिक्षण में 15 दिवसीय इंटर्नशिप शामिल है। पिपलिया में संचालित चौथे बैच में 25 छात्राओं को सोलर पैनल का प्रशिक्षण दिया गया, कुल 4 बैच में 100 किशोरी बालिकाओं तथा महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदाय किया गया जिसमें 41 में से ,20 को सोलर तथा 21 को इलेक्ट्रिक वाहन मरम्मत में विभिन्न निजी संस्थाओं में रोजगार प्राप्त हुआ है एवं अधिकतर महिलाएं एवं किशोरी बालिकाओं ने अपना स्वयं का कार्य प्रारम्भ कर दिया है एवं वित्तीय समझ के लिए बैंक से समन्वय कर सहायता प्रदान करने का प्रयास संस्था एवं परियोजना कार्यालय द्वारा किया जा रहा है। आंगनबाड़ी क्षेत्र की महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं द्वारा यह तय किया गया कि प्रशिक्षण एवं रोजगार प्राप्त करने के बाद हम अपनी आय की कुछ राशि आंगनबाड़ी केंद्र में एक समिति के पास गुल्लक के रूप में रखेंगे जिसमें प्रशिक्षणार्थी,सेक्टर पर्यवेक्षक,अशासकीय संस्था के सदस्य एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रहेंगी जिससे छोटी छोटी जरूरतें हम अपनी आंगनबाड़ी में स्वयं पूरी कर सके। यद्यपि विभाग द्वारा समय-समय पर सामग्री एवं मरम्मत का कार्य कराया जाता है लेकिन हम अपनी आंगनबाड़ी को आदर्श बना सके, यह प्रयास रहेगा, ऐसा सोचती है।

मध्यप्रदेश जिला घरेलू उत्पाद रिपोर्ट देश में अभिनव

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में आत्मनिर्भर जिला विकसित मध्य प्रदेश के संकल्प को अब मूर्त-रूप देते हुए जिला घरेलू उत्पाद रिपोर्ट तैयार की गई है। यह रिपोर्ट प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की उस सोच को साकार करने की दिशा में ठोस पहल है जिसके अनुसार विकसित भारत का संकल्प देश के हर जिले में लिया जाएगा। यह पहल पूरे देश में अभिनव है। योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा आज भोपाल में अटल बिहारी वाजपेई सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में जिला घरेलू उत्पाद रिपोर्ट 2022-23 का विमोचन किया गया।

अपर मुख्य सचिव श्री संजय कुमार शुक्ला ने कहा कि डाटा आधारित नीति निर्माण के लिए जिला स्तर पर आर्थिक आंकड़ों का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने इसे मध्यप्रदेश के विजन 2047 की दिशा में एक निर्णायक कदम बताया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य जिलों को आर्थिक विकास की धुरी बनाते हुए बॉटम अप दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना है। यह रिपोर्ट राज्य के सभी जिलों की आर्थिक गतिविधियों का विश्लेषण प्रस्तुत करती है जो न केवल नीति निर्माण को डाटा आधारित बनाएगा साथ ही राज्य के विजन 2047 को जमीन पर भी उतारेगा। रिपोर्ट के अनुसार 2022-23 में इंदौर, भोपाल, जबलपुर और उज्जैन जैसे जिलों ने राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में सर्वाधिक योगदान दिया है। प्रति व्यक्ति आय के आंकड़ों में भी यही जिले शीर्ष पर रहे हैं। प्राथमिक क्षेत्र यानी कृषि वानिकी, पशुपालन, मछली पालन में राज्य का जीव्हीए में 45त्न का योगदान है जबकि द्वितीय क्षेत्र निर्माण और विनिर्माण तथा तृतीय क्षेत्र सेवाएं, व्यापार वित्त में क्रमश: 19त्न और 36त्न का योगदान दर्ज किया गया है। छिंदवाड़ा, धार, बालाघाट इंदौर और भोपाल जैसे जिलों ने विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी प्रदर्शन किया है।

इससे पहले इंडिया फाउंडेशन और मध्यप्रदेश योजना एवं सांख्यिकी विभाग तथा राज्य नीति आयोग के बीच दो औपचारिक समझौते पर हस्ताक्षर हुए। यह साझेदारी भविष्य में डाटा इन्नोवेशन हब और रिसर्च एनालिसिस यूनिट की स्थापना की दिशा में एक ठोस पहल होगी जिससे नीति निर्माण की प्रक्रिया अधिक सशक्त, स्थानीयकृत और विश्लेषणात्मक हो सकेगी। पूर्व उपाध्यक्ष नीति आयोग एवं पहले इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री राजीव कुमार, अपर मुख्य सचिव श्री संजय कुमार शुक्ला, राज्य सांख्यिकी आयोग के अध्यक्ष श्री प्रवीण श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

7 साल की बच्ची को पीएम श्री एयर, एयर एबुलेंस सेवा से किया गुड़गांव शिट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा आपातकाल में कई जिंदगियों को बचाने ने अहम भूमिका निभा रही है। इसी कड़ी में भोपाल की रहने वाली 7 वर्षीय बालिका को लीवर की गंभीर बीमारी के उपचार के लिए भोपाल से गुड़गांव एयरलिफ्ट कर भर्ती करवाया गया। मरीज के आयुष्मान कार्ड धारक होने के कारण यह सुविधा निशुल्क उपलब्ध करवाई गई। बच्ची के परिजनों ने पेट दर्द, त्वचा के पीले पड़ने, मल में खून आने की समस्या के इलाज के लिए 19 मई को भोपाल के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया था। अस्पताल में प्राथमिक जांच में एक्यूट हेपिटाइटिस विथ इंपैंडिंग फैलियर पाया गया। 23 मई को सुबह 8.20 पर

एयर एम्बुलेंस द्वारा मरीज को इलाज के लिए गुड़गांव के निजी अस्पताल की पीडियाट्रिक लिवर यूनिट में रेफर किया गया है। एयर एम्बुलेंस की व्यवस्था मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय,भोपाल द्वारा जिला प्रशासन और संचालनालय स्वास्थ्य सेवाओं से संपर्क कर करवाई गई। इसके साथ ही गुड़गांव के चिकित्सकों से समन्वय कर मरीज को शिफ्ट करवाया गया। जहां आगे का इलाज चल रहा है।

पाठ्यक्रम में पढ़ाना चाहिए लाइफ स्टाइल कोर्स

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्कूली पाठ्यक्रम में यह जोड़ा जाए कि कौन सा खाना, दिनचर्या या आदत किस बीमारी का कारण बन सकता है और उससे कैसे बचा जा सकता है। बच्चों को यह समझाना होगा कि स्वास्थ्य की जिम्मेदारी खुद उनकी है, सिर्फ डॉक्टर की नहीं। साथ ही माता-पिता और शिक्षकों को भी यह जिम्मेदारी लेनी होगी। देश के जाने-माने गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट पद्म भूषण डॉ. शिव कुमार सरीन ने ये बातें कहीं हैं। वे इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज, दिल्ली के निदेशक भी हैं। डॉ. शिव कुमार सरीन बुधवार को प्रदेशव्यापी स्वस्थ यकृत (लिवर) मिशन कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर भोपाल पहुंचे थे। इस दौरान उनसे

बातचीत की। उन्होंने कहा कि हमने राज्यपाल मंगु भाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आग्रह किया है कि स्कूली पाठ्यक्रम में खाना और दिनचर्या को जोड़ा जाना चाहिए। डॉ. सरीन ने बताया कि पहले स्कूलों में पढ़ाई का 30 प्रतिशत समय खेलों को दिया जाता था, जो अब घटकर 5 प्रतिशत रह गया है, जबकि मोटापा और फैटी लिवर की बढ़ती समस्या को देखते हुए शारीरिक गतिविधि बढ़ाना जरूरी है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की एमडी डॉ. सलोनी सिडाना से भी इस विषय पर चर्चा कर योजनाएं बनाने की बात कही। यह आंकड़ा पांच साल में 22 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। जिसकी मुख्य वजह है बिगड़ती जीवनशैली और खानपान। उन्होंने चेतावनी दी कि यही रुझान बच्चों में फैटी लिवर जैसी बीमारियों को जन्म दे रहा है। इसलिए हेल्थ को केवल डॉक्टर का विषय नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी बनाना होगा।

डॉ. सरीन ने कहा कि लिवर में फैट आने के तीन प्रमुख कारण है। जिसमें पहला शराब का सेवन और दूसरा खराब खान पान सबसे आम हैं। इसके अलावा जीन भी एक बड़ा फैक्टर हैं। यदि किसी को वसीयत में फैटी लिवर की समस्या मिली हो तो उनमें जरा सा खाने से भी फैटी लिवर की समस्या हो सकती है।

राजगढ जिला ओवर-ऑल 81.60 अंकों के साथ जल संवर्धन कार्यों में प्रथम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जल गंगा संवर्धन अभियान में जल संरचनाओं के प्रदेश में सर्वाधिक निर्माण पूरा करने पर राजगढ़ जिले को अब तक 100 में से 81.60 अंक प्राप्त हुए हैं। जिला अब तक प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। जल गंगा संवर्धन अभियान में राजगढ़ जिले में अमृत सरोवर लक्ष्य से अधिक और प्रदेश में सर्वाधिक कार्य प्रारंभ कराए गए हैं। इसी तरह जिला खेत तालाब भी लक्ष्य से अधिक प्रारंभ कराने में प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। इस तरह जल गंगा संवर्धन अभियान के लिए पोर्टल पर युवाओं का रजिस्ट्रेशन भी राजगढ़ ने लक्ष्य 5,400 से अधिक 10,186 से अधिक रजिस्ट्रेशन कराए हैं।

राजगढ़ कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के नेतृत्व में जिले में ग्रामीण विकास के क्षेत्र में किए जा रहे जल संवर्धन के कार्यो में मनरेगा योजना में कुल 18 अमृत सरोवर तालाब निर्माण का लक्ष्य शासन से प्राप्त हुआ है। लक्ष्य अनुसार सभी 19 तालाबों के लिए स्थल चयन ऐप से किया जाकर भारत सरकार के अमृत सरोवर पोर्टल पर उसकी प्रविष्टि कराई जा चुकी है। इन सभी अमृत सरोवरों का निर्माण प्रारंभ कर दिया गया है। मनरेगा योजनान्तर्गत जल संरक्षण के लिये कुल 1866 खेत तालाब के लक्ष्य से अधिक 1989 खेत तालाबों के स्थल चयन एसआईपीआरआई मोबाइल ऐप से फायनल कर निर्माण प्रारंभ किये जा चुके हैं। जिला खेत तालाब कार्य प्रारंभ करने में जिला प्रदेश में दूसरे स्थान पर है। मनरेगा योजनान्तर्गत जल संरक्षण के लिये कुल 3,500 कूप रिचार्ज निर्माण के लक्ष्य से अधिक 3600 कूपों का चयन कर 3165 पर कार्य प्रारंभ किया जा चुका है। इसकैटेगरी में भी प्रदेश स्तर पर हो रही रैंकिंग में 20 में से अब तक 18 अंक प्राप्त हुए हैं। शहडोल में सोहागपुर के जोधपुर गांव से बहने वाली मुड़ना नदी की जलधारा सूख सी गई थी। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत श्मशान घाट के पास पहले से निर्मित स्टॉप-डैम में जन-अभियान परिषद की जोधपुर समिति और ग्राम पंचायत ने इसी स्टॉप-डैम में बोरी बंधान का निर्माण किया। श्रमदानसे हुए बोरी बंधान से धीरे-धीरे मुड़ना नदी के बहाव क्षेत्र में जल स्तर बढ़ने लगा। श्रमदान दिवस के बाद की सुबह नदी को लबालब देख गांव के पशु-पक्षियों तक में खुशी की लहर दौड़ गई। अब नदी में पेयजल के साथ ही सबके लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो गया है। देवास जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण के कार्य किये जा रहे हैं। जल की प्रत्येक बूंद को सहेजने के लिए 30 जून 2025 तक ये अभियान जारी रहेगा।

जल संरचनाओं के निर्माण एवं गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है।

लोक निर्माण मंत्री ने की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं, औचक निरीक्षण रिपोर्ट्स और वर्षा पूर्व तैयारियों की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह की अध्यक्षता में आज एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण परियोजनाओं, 20 मई को हुए औचक निरीक्षणों और वर्षा पूर्व तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के प्रारंभ में औचक निरीक्षण व्यवस्था के अंतर्गत 7 मुख्य अभियंताओं के दलों से प्रदेश के 7 जिलों में किए गए कुल 35 निर्माण कार्यों के निरीक्षण प्रतिवेदनों पर चर्चा की गई। मंत्री श्री सिंह ने निरीक्षण व्यवस्था को विभागीय पारदर्शिता और गुणवत्ता नियंत्रण की दिशा में एक सशक्त पहल बताया।

बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए श्री राकेश सिंह ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों को समय सीमा में पूर्ण कराया जाए। उन्होंने विशेष रूप से वन विभागीय अनुमतियों और भू-अर्जन से जुड़ी समस्याओं को समय रहते हल करने हेतु ठोस प्रयास करने के निर्देश दिए।

बैठक में लोकपथ मोबाइल ऐप की कार्यप्रणाली पर भी विचार हुआ। मंत्री श्री सिंह ने निर्देशित किया कि एनएचएआई के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों को भी लोकपथ मोबाइल ऐप से जोड़ने की संभावनाएं तलाशी जाएं। वर्तमान में ऐप पर केवल लोक निर्माण विभाग की सड़कों का डेटा उपलब्ध है। यह पहली बार होगा जब अन्य एजेंसियों की सड़कों को भी इस पोर्टल से जोड़ा जाएगा। मंत्री श्री राकेश सिंह ने सभी सड़कों के प्रिवेंटिव मेंटेनेंस कार्यों को 15 जून से पहले पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने परफॉर्मेंस गारंटी अवधि के अंतर्गत आने वाली सड़कों के ठेकेदारों को लिखित में मेंटेनेंस कार्यों हेतु निर्देशित करने की बात कही।

बैठक में मंत्री श्री सिंह ने पर्यावरणीय उत्तरदायित्वों की चर्चा करते हुए कहा कि इस मानसून पूर्व 500 लोक कल्याण सरोवरों के निर्माण के प्रयास किए जाएं। इन सरोवरों का निर्माण नियोजित खनन के माध्यम से किया जाएगा, जिनमें फेंसिंग, वृक्षारोपण और चेतावनी संकेतक अनिवार्य होंगे। मंत्री ने कहा कि यह सरोवर वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण में सहायक होंगे।

मंत्री श्री राकेश सिंह ने जबलपुर में निर्माणाधीन एलिवेटेड कॉरिडोर के उदाहरण का हवाला देते हुए सभी फ्लाईओवर्स और एलिवेटेड संरचनाओं में वर्षा जल निकासी को रिचार्ज बोर से जोड़ने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि सभी फ्लाईओवर्स से संभावित भूजल पुनर्भरण की गणना की जाए।

मध्यप्रदेश ने कृषि के क्षेत्र में स्थापित किए नये कीर्तिमान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश कृषि के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश ने कृषि के क्षेत्र में नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। साथ ही फसलों के उत्पादन में राष्ट्रीय स्तर पर रिकार्ड बनाया। प्रदेश दालों के उत्पादन में प्रथम स्थान पर, खाद्यान उत्पादन में द्वितीय स्थान पर एवं तिलहन उत्पादन में तृतीय स्थान पर है। तृतीय फसली क्षेत्र में तेजी से वृद्धि हो रही है। नरवाई जलाने को हतोत्साहित करने के लिए कुछ प्रतिबंध भी लगाये गये है।

कृषकों को फसल आच्छादन के अवशेष जलाने से रोकने के लिये शासन द्वारा कई कदम उठाये गये हैं, जिसमें प्रदेश स्तर पर 46,800 से अधिक नरवाई प्रबंधन से संबंधित कृषि यंत्र अनुदान पर वितरित करते हुए 412 करोड़ रूपये की अनुदान राशि जारी की गई है। नरवाई जलाने की घटना वाले कृषकों को आगामी एक वर्ष के लिए मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि 6 हजार रूपये का भुगतान नहीं किये जाने के साथ ही आगामी एक वर्ष के लिए उनकी उपज का उपार्जन न्यूनतम समर्थन मूल्य पर नहीं करना भी शामिल है।

राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित में कृषि उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण विभाग, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण अंतर्गत कई कार्यक्रम चलाये जा रहे है, जिससे प्रदेश के किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। खरीफ 2024 के धान उत्पादक कृषकों को जिन्होंने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान का विक्रय किया है, उन्हें प्रोत्साहन राशि प्रदान की जायेगी। चार हजार रूपये प्रति हैक्टेयर की दर से प्रोत्साहन राशि का वितरण किया जायेगा, जिसमें एक कृषक को अधिकतम दस हजार रूपये की राशि प्रोत्साहन के रूप में प्रदाय की जायेगी। राज्य सरकार द्वारा रबी 2024-25 में उपार्जित गेहूँ पर 175 रुपए प्रति क्विंटल प्रोत्साहन राशि प्रदाय की जा रही है।

मध्यप्रदेश में 7 शहर स्मार्ट सिटी मिशन में

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में शहरों के समुचित विकास, आर्थिक सुधार, नागरिक जीवन शैली में सुधार के उद्देश्य से चयनित 7 शहरों (स्मार्ट सिटी) में कार्य किये जा रहे हैं। प्रदेश में 3 शहरों भोपाल, इंदौर और जबलपुर का चयन प्रथम चरण में स्मार्ट सिटी मिशन में किया गया था। दूसरे चरण में ग्वालियर और उज्जैन का चयन किया गया। स्मार्ट सिटी मिशन में तीसरे चरण में सतना और सागर चयन किया गया। देश में स्मार्ट सिटी मिशन की शुरूआत 25 जून 2015 को की गई थी। इसके बाद से 3 चरणों में मध्यप्रदेश के इन 7 शहरों का चयन किया गया। स्मार्ट सिटी योजना का क्रियान्वयन नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत किया जा रहा है।

मिशन के अंतर्गत प्रदेश के प्रत्येक चयनित शहर के लिये एक हजार करोड़ रूपये ग्रांट का प्रावधान किया गया, जिसमें 500 करोड़ रूपये केन्द्र सरकार की और 500 करोड़ रूपये राज्य सरकार की मैचिंग ग्रांट थी। स्मार्ट सिटी चयनित शहरों में मुख्य रूप से ऐसी योजनाएं क्रियान्वित की गई, जिनसे नागरिक जीवन शैली में सुधार हो।

प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय आज दो दिवसीय प्रवास पर सतना आयेंगे

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री तथा सतना जिले के प्रभारी मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय 25 मई को प्रातः 6.30 बजे रेवांचल एक्सप्रेस से सतना आयेंगे। निर्धारित कार्यक्रम अनुसार प्रभारी मंत्री श्री विजयवर्गीय प्रातः 7 बजे सर्किट हाउस पहुंचेंगे। इसके बाद प्रभारी मंत्री प्रातः 9 बजे सतना से चित्रकूट लिए प्रस्थान करेंगे और प्रातः 10 बजे से चित्रकूट के स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। प्रभारी मंत्री रात्रि विश्राम चित्रकूट में करेंगे।

प्रवास के दूसरे दिन 26 मई को प्रभारी मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय चित्रकूट में स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होने के बाद दोपहर 3 बजे चित्रकूट से प्रस्थान कर सायं 4.30 बजे सतना आयेंगे और यहां स्थानीय कार्यक्र मों में शामिल होंगे। इसके पश्चात प्रभारी मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय सतना से रात्रि 8.50 बजे रेवांचल एक्सप्रेस से भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

केन्द्रीय जेल में आध्यात्मिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जेल अधीक्षक लीना कोष्टा के मार्गदर्शन में अखिल विश्व गायत्री परिवार सतना व केन्द्रीय जेल के संयुक्त तत्वाधान में आध्यात्मिक प्रशिक्षण कार्यक्रम/शिविर के 5 दिवसीय सत्र का समापन हुआ। शिविर का आयोजन 20 मई से 24 मई तक आयोजित किया गया। आध्यात्मिक प्रशिक्षण कार्यक्रम /शिविर के आखिरी दिवस में प्रतिदिन की तरह वैदिक मंत्रों द्वारा देव पूजन, महामंत्रों का जाप, गायत्री चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया।

गायत्री परिवार के सदस्यों द्वारा बताया गया कि हमें भाग्य के भरोसे न बैठकर कर्म करते रहना चाहिए ताकि हमारा समय व्यर्थ न गुजरे। इसलिए हम स्वाध्याय मन को नियंत्रित करें क्योंकि मन बहुत ही चंचल होता है। उस परम पिता परमात्मा, जो सर्वोपरि न्यायकारी है। हमें उसकी उपासना व भजन करना चाहिए इसी में हमारे जीवन की सार्थकता है। श्रीराम व माता सीता की कथा द्वारा उनकी विरह-वेदना को बड़े ही अनूठे ढंग से व्यक्त किया गया कि विपरीत परिस्थितियों में भी श्रीराम के प्रति श्रद्धाभाव व साहस माता सीता द्वारा रखा गया। शांतिपाठ कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

इस अवसर पर जेल अधीक्षक श्रीमती लीना कोष्टा, जेल उप अधीक्षक श्रीकांत त्रिपाठी, जेल उप अधीक्षक सोनबीर सिंह कुशवाह, कल्याण अधिकारी अनिरुद्ध कुमार तिवारी, सहायक जेल अधीक्षक सुश्री फिरोजा खातून व गायत्री परिवार सतना से जिला समन्वयक राजेश तिवारी, हरिओम पाण्डेय, एसएन पाण्डेय, आरएस नापित एवं बंदीगण उपस्थित रहे।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के क्रियान्वयन के निर्देश जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने बताया कि दिनांक 29 मई से 12 जून 2025 तक विकसित कृषि संकल्प अभियान का संचालन खरीफपूर्व किया जाना प्रस्तावित है, उक्त अभियान अन्तर्गत केन्द्रीय एवं राज्य की योजनाओं, वैज्ञानिक अनुसंधानों, उन्नत कृषि/ उद्यानिकी/ पशुपालन/मत्स्य/कृषि अभियांत्रिकी की तकनीकियों एवं कृषकों द्वारा किये जा रहे नवाचारों इत्यादि के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं तकनीकी हस्तांतरण के लिए उक्त अभियान के अन्तर्गत प्रतिदिन ग्राम पंचायतों पर निर्धारित रूट चार्ट अनुसार अभियान का क्रियान्वित किया जाना है।

इस हेतु स्थानीय स्तर पर उक्त अभियान के कार्यक्र म में संबंधित ग्राम पंचायतों के मैदानी अमले (पंचायत सचिव/ रोजगार सहायक/कोटवार) की निर्धारित स्थान एवं दिनांक को उपस्थिति के लिए आदेशित किया गया है।

उन्होंने वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र, उप संचालक पशु चिकित्सा अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत समस्त, सहायक संचालक मत्स्य, सहायक कृषि यंत्री, कृषि अभियांत्रिकी विभाग, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकासखण्ड को निर्देशित किया है कि अपने स्तर से अपने-अपने विकास खण्डों में निर्धारित रूट चार्ट एवं निर्धारित प्रपत्र अनुसार संबंधित ग्राम पंचायतों के मैदानी अमलों की ड्यूटी लगाना सुनिश्चित करें एवं की गई कार्यवाही से अभियान के नोडल कार्यालय उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास जिला सीधी (email ddagrisid@mp.gov.in) एवं कृषि विज्ञान केन्द्र जिला सीधी (email kvk.sidhi@icar.gov.in) अनिवार्य रूप से अवगत कराना सुनिश्चित करें।

हेल्दी लिवर मिशन की जिले में होगी शुरुआत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बबीता खरे के द्वारा बताया गया कि राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की उपस्थिति में 21 मई को राज्य स्तर पर निक्षय शिविर अभियान सम्मान समारोह एवं स्वस्थ यकृत मिशन का शुभारंभ किया गया।

स्वस्थ यकृत मिशन का जिला स्तर पर क्रियान्वयन माह जून में किये जाने के लिए निर्देशित किया गया है। सीएमएचओ डॉ खरे ने विस्तार से बताया कि नॉन-अल्कोहोलिक फैटी लिवर रोग (एनएएफएलडी) एक आम लिवर विकार है जो विश्वभर में तेजी से बढ़ रहा है। यह बीमारी लिवर में अत्यधिक वसा संचय की विशेषता है, जो शराब के सेवन से संबंधित नहीं है। एनएएफएलडी के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर, यह आवश्यक है कि हम इसके कारणों, लक्षणों और प्रबंधन के बारे में जागरूकता बढ़ाएं।

एनएएफएलडी के प्रमुख कारणों में मोटापा हैं अधिक वजन वाले पुरुष जिनकी कमर 90 सेंटीमीटर से ज्यादा है एवं महिला जिनकी कमर 80 सेंटीमीटर से ज्यादा है वो उच्च जोखिम में होते हैं, मधुमेह, मेटाबोलिक सिंड्रोम, इंसुलिन प्रतिरोध, अस्वस्थ आहार और शारीरिक निष्क्रि यता शामिल हैं। एनएएफएलडी के लक्षण अक्सर अस्पष्ट होते हैं, लेकिन इसमें थकान, पेट में दर्द, लिवर एंजाइमों का बढ़ा हुआ स्तर शामिल हो सकते हैं।

निदान में आमतौर पर इमेजिंग परीक्षण और लिवर बायोप्सी शामिल होती है। एनएएफएलडी के प्रबंधन में जीवनशैली में बदलाव, स्वस्थ आहार और नियमित व्यायाम,वजन कम करना, मधुमेह और उच्च रक्तचाप का प्रबंधन, विटामिन ई और पियोग्लिटाज़ोन जैसी दवाएं कुछ मामलों में सहायक हो सकती हैं। एनएएफएलडी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए, जागरूकता और रोकथाम पर ध्यान देना आवश्यक है।

स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर और जोखिम कारकों को प्रबंधित करके, हम इस बीमारी के प्रभाव को कम कर सकते हैं। नॉन-अल्कोहोलिक फैटी लिवर रोग एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती है, लेकिन जागरूकता, रोकथाम और प्रभावी प्रबंधन के माध्यम से इसके प्रभाव को कम किया जा सकता है। आइए हम स्वस्थ जीवनशैली को अपनाकर और एनएएफएलडी के बारे में जागरूकता बढ़ाकर इस बीमारी के खिलाफलड़ाई में योगदान करें।

प्रदेश में पारेषण उपलब्धता का नया कीर्तिमान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रदेश के विद्युत क्षेत्र में ट्रांसमिशन नेटवर्क (पारेषण प्रणाली) की अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण एवं विस्तारीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

इसके फलस्वरूप राज्य में पारेषण उपलब्धता (ट्रांसमिशन अवेलेबिलिटी) को ऐतिहासिक रूप से 99.47 प्रतिशत के उच्चतम स्तर तक पहुँचाने में सफलता प्राप्त हुई है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने जानकारी दी है कि मध्यप्रदेश राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा वर्ष 2024-25 के लिये निर्धारित 98 प्रतिशत लक्ष्य के मुकाबले इस वित्तीय वर्ष में पारेषण उपलब्धता (ट्रांसमिशन अवेलेबिलिटी) बढ़कर 99.47 प्रतिशत तक हो गई है। वर्ष 2023-24 में पारेषण उपलब्धता (ट्रांसमिशन अवेलेबिलिटी) 99.42 प्रतिशत के मुकाबले यह उल्लेखनीय सुधार है, जो राज्य विद्युत कंपनियों की कार्यकुशलता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रदेश के विद्युत क्षेत्र की यह सफलता राज्य के लिए गर्व की बात है, इस उपलब्धि के लिये उन्होंने विद्युत कार्मिकों को बधाई दी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह उपलब्धि न केवल मध्यप्रदेश में विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता को बेहतर बनाएगी, बल्कि उपभोक्ताओं को अधिक स्थिर और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में भी सहायक सिद्ध होगी।

विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता होगी बेहतर

श्री तोमर ने कहा है कि एम.पी. ट्रांसको द्वारा किए गए नवाचारों, उन्नत तकनीकी समाधानों जैसे स्काडा प्रणाली, विद्युत ग्रिडों की निगरानी और समय-समय पर रख-रखाव के चलते यह सफलता संभव हो पाई है। कंपनी द्वारा विद्युत नेटवर्क के आधुनिकीकरण और क्षमतावर्धन की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

पारेषण उपलब्धता अधिक होने के फायदे

किसी भी ट्रांसमिशन सिस्टम में ट्रांसमिशन अवेलेबिलिटी (पारेषण उपलब्धता) अधिकतम होने से विद्युत आपूर्ति में बाधाएँ कम होती हैं, जिससे उपभोक्ताओं को निरंतर बिजली मिलती है। इससे औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि होती है और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है। यह प्रणाली की विश्वसनीयता और दक्षता को भी सुनिश्चित करता है। साथ ही आपात स्थितियों में शीघ्र बिजली आपूर्ति संभव होती है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत चलाया गया सफाई अभियान

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश में जल गंगा सवर्धन अभियान 30 मार्च से 30 जून तक चलाया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मैहर जिले की नगर परिषद अमरपाटन में बावडी की सफाई की गई।

लालगांव में छाया अंधेरा, बेमौसम बरसात ने गांव में मचाई तबाही

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के लालगांव अंचल के लोग इन दिनों भीषण बिजली की समस्या से जूझ रहे हैं। बीते 19 मई के दिन हुई बेमौसम बरसात और तूफान ने ऐसी तबाही मचाई कि कई जगहों के बिजली के खंभे और तार टूट कर बिखर गए जिसकी वजह से लगभग 6 दिनों से गांव में बिजली बाधित है जिससे लोग बूंद बूंद पानी के लिए भी तरस रहे हैं।

प्रारंभिक रूप से बिजली में कुछ सुधार तो अवश्य कर लिया गया है लेकिन 24 घंटे में कुछ घंटे ही बिजली मिल रही है जिससे जहां एक और आम लोग परेशान है वहीं व्यापार भी बुरी तरह से प्रभावित हुआ है ऐसे में ग्राम वासियों ने विद्युत कार्यालय लाल गांव पहुंचकर कनिष्ठ अभियंता को ज्ञापन सौंपा है।

ग्राम वासियों ने मांग की है कि दिनांक 19/05/2025 को दोपहर 02 बजे से लालगांव बाजार की विद्युत सप्लाई पूरी तरह से बंद है जिसके चलते लालगांव बाजार के रहवासियों के लिए पेयजल आपूर्ति की समस्या खड़ी हो गई है। इस संबंध में विधुत विभाग लालगांव से अभी तक महज़ आश्वासन ही मिलता रहा और विधुत आपूर्ति अभी तक सुचारू रूप से संचालित नहीं हो सकी है।

ग्रामीणजनों का कहना है कि अगर विभागीय अमले के द्वारा जल्द ही समस्या का निराकरण नहीं किया गया तो वह लालगांव चौराहे पर अनशन पर बैठने के लिए विवश होंगे जिसकी समस्त जिम्मेदारी लालगांव विद्युत वितरण कार्यालय व सक्षम अधिकारियों की होगी।

किसानों को कम ब्याज में कृषि ऋण और बीमा सुरक्षा देता है किसान क्रेडिट कार्ड

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।

किसानों को फसल की बोनी के समय खाद-बीज, कृषि उपकरण तथा अन्य खेती से जुड़ी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पूंजी की आवश्यकता होती है। किसानों के पास अधिक पूंजी न होने के कारण खेती में निवेश करने में कठिनाई होती है। इस कठिनाई को दूर करने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड सबसे कारगर उपाय है।

बैंकों के माध्यम से सभी छोटे-बड़े किसानों के किसान क्रेडिट कार्ड बनाए जाते हैं। इसके माध्यम से बैंक किसान को कम अवधि की राशि चार प्रतिशत ब्याज की दर से देती है। किसान फसल आने पर यदि समय पर ऋण राशि चुका देते हैं तो उन्हें अगली फसल के लिए पुनः राशि जारी कर दी जाती है। किसान क्रेडिट कार्ड में फसलों के लिए सरलता से ऋण मिलने के साथ-साथ बीमा सुरक्षा का भी लाभ दिया जाता है। अधिकतम 70 वर्ष तक के किसानों को किसान क्रेडिट कार्डधारी होने पर मृत्यु की दशा में परिजनों को 50 हजार रुपए दिए जाते हैं। दुर्घटना में या अन्य कारण से स्थाई विकलांगता होने पर 25 हजार रुपए की सहायता दी जाती है।

इस संबंध में उप संचालक कृषि ने बताया कि सभी किसान किसान क्रेडिट कार्ड बैंकों के माध्यम से बनवा सकते हैं। किसान क्रेडिट कार्ड बनाने के लिए जमीन का खसरा आवेदन पत्र के साथ बैंक में प्रस्तुत करना होता है। किसान क्रेडिट कार्ड में किसान का नाम, पता, जमीन की जानकारी तथा अवधि अंकित होती है। किसान क्रेडिट कार्ड पाँच वर्ष के लिए वैध होता है। इसके बाद इसकी कार्यशील पूंजी का नवीनीकरण वार्षिक आधार पर किया जाता है। किसान क्रेडिट कार्ड में ऋण राशि की अधिकतम सीमा फसल के अनुसार निर्धारित रहती है। बैंक द्वारा तीन लाख रुपए तक के केसीसी में कोई प्रोसेसिंग शुल्क नहीं लिया जाता है। किसान जितनी राशि का उपयोग करता है उस पर ही ब्याज देय होता है।

किसान क्रेडिट कार्ड में ब्याज की दर सात प्रतिशत निर्धारित है। लेकिन किसान समय पर ऋण राशि अदा कर देता है तो उसे तीन प्रतिशत ब्याज में छूट मिलती है। किसान को केवल चार प्रतिशत ब्याज ही देना होता है। किसान क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके किसान अपनी खेती को आधुनिक बना रहे हैं। खेती में निवेश के लिए उन्हें साहूकारों के भी चक्कर नहीं लगाने पड़ते हैं।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 30 मई को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला चिकित्सालय सीधी के डीइआईसी भवन में हृदय रोग से पीड़ित बच्चों एवं बड़ों हेतु नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन दिनांक 30 मई 2025 को किया जा रहा है। इस शिविर में दिल की बीमारी से संबंधित समस्त समस्याओं का जांच एवं उपचार किया जाएगा।

शिविर में इको एवं ईसीजी की सुविधा उपलब्ध होगी। आरबीएसके योजना के तहत 0 से 18 साल तक के बच्चों का उपचार कराया जाएगा। आयुष्मान कार्ड धारकों का उपचार आयुष्मान योजना के तहत कराया जाएगा। जिन बच्चों का होंठ कटा हो या तालु कटा हो, जिनको बोलने में समस्या हो, गले में छेद हो, जीभ जुड़ी हो, ऐसे बच्चों को 30 मई 2025 को सुबह 11 बजे भेजने का कष्ट करें।

कटे फटे होंठ एवं तालु के बच्चों के लिए कम से कम 4 माह की उम्र और 4 किलो से ज्यादा वजन होना अनिवार्य है। ऐसे बच्चों के परिजन बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र और अपने आधार कार्ड और साथ में दो दिन रुकने के हिसाब से व्यवस्था करके आएं। इन बच्चों का ऑपरेशन दुबे सर्जिकल हॉस्पिटल जबलपुर में किया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बबीता खरे ने सभी हितग्राहियों से अनुरोध किया है कि वे इस शिविर का लाभ उठाएं और अपने दिल की बीमारी से संबंधित समस्याओं का समाधान कराएं।

पंजीकरण पेज पर "ट्रेड सिलेक्शन क्लास" का चयन ध्यानपूर्वक करें। अगर आप "8वीं के आधार पर" विकल्प का चयन करते हैं तो आप केवल 8वीं कक्षा के लिए उपयुक्त ट्रेड का चयन कर पाएंगे। अगर आप "10वीं के आधार पर" विकल्प का चयन करते हैं तो आप केवल 10 वी कक्षा के लिए उपयुक्त ट्रेड का चयन कर पाएंगे। अगर आप "8वीं और 10वीं दोनों के आधार पर" विकल्प का चयन करते हैं तो आप 8वीं और 10वीं दोनों कक्षा के लिए उपयुक्त ट्रेड का चयन करें। विद्यार्थी आई टी आई में प्रवेश हेतु प्रोत्साहित हो इसके लिये जिला शिक्षा जिला सीधी ने सभी प्राचार्यो को इस प्रक्रि या की जानकारी का अधिक से अधिक विद्यार्थियों के मध्य देने हेतु निर्देशित किया है।

आवेदन की अंतिम तिथि 31 मई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सहायक श्रम पदाधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि श्रमोदय आदर्श आई.टी.आई. भोपाल में संचालित 8 ट्रेडो में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। प्रवेश प्रक्रि या कौशल विकास विभाग के डीएसडी पोर्टल पर होगी। नए सत्र के लिए www.dsd.mp.gov.in पर पंजीयन 31 मई 2025 तक कर सकते हैं। इस संस्था में संचालित ट्रेड तकनीशियन मेकाट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिशिन, सीएनसी मशीनिंग तकनीशियन, सिविल इंजीनियरिंग असिस्टेंट दो वर्षीय पाठ्यक्रम है। इसी प्रकार फैशन डिजाइन एण्ड टेक्नोलॉजी, इंटीरियर डिजाईन एण्ड डेकोरेशन, आईओटी स्मार्ट सिटी, वेल्डर एक वर्षीय पाठ्यक्रम है। इन व्यवसायों में वेल्डर के लिए प्रवेश योग्यता आठवीं उत्तीर्ण है। शेष सभी सात पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक

फीडर सेपरेशन कार्य में भारी अनियमितिता होने की गई शिकायत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासन की महत्वपूर्ण योजना किसानों के लिए लाई गई है जिसमें फीडर सेपरेशन अंतर्गत पूरे मध्य प्रदेश में सिंचाई के लिए एक अलग लाइन का निर्माण किया जा रहा है जिस पर रीवा जिले अंतर्गत युद्ध स्तर पर बिजली विभाग द्वारा निविदा प्राप्त कंपनी के पेटी कांटेक्टरो द्वारा कार्य किया जा रहा है। जिसमें भारी अनियमित देखी जा रही है।

बताया जा रहा है कि तय मानकों को नजर अंदाज करते हुए पोल गाड़े जा रहे हैं जिसपर केवल हाइड्रा मशीन से 1 मी गड्डा करके बिना किसी कंक्रीट के पोल खड़े कर दिए जा रहे हैं जबकि कम से कम 6 फिट गड़े की गहराई होनी चाहिए जिससे अभी से मिट्टी धसने के कारण वो तिरछे हो गए हैं जबकि अभी बरसात आना बाकी है, आप अपने आप में सोच सकते हैं की जो नए कार्य किए जा रहे हैं उनकी इस स्थिति से अंदाजा लगाया जा सकता है की किसान कितने दिन बिजली प्राप्त कर पाएगा।

वही इस मामले में ग्राम पंचायत बांस के सरपंच कमलेश पटेल द्वारा नाराजगी जाहिर करते हुए बिजली विभाग के अधिकारियों से निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई करने एवं सही तरीके से कार्य करने की अपने क्षेत्र में मांग की गई है। साथ ही पर्यावरण को भी नजर अंदाज करते हुए ग्राम पंचायत क्षेत्र अंतर्गत शासकीय हरे आम के पेड़ो जो पीडब्ल्यूडी विभाग अंतर्गत आते हैं लगभग 20 पेड़ को नुकसान पहुंचाया गया है। जिस पर ग्राम पंचायत बांस द्वारा स्थल पंचनामा तैयार किया गया है और एसडीएम मनगवा से कार्रवाई की मांग की गई है। आपको बता दे इस मामले को लेकर ग्राम पंचायत बांस के कई किसानों ने आपत्ति जताते हुए दुख व्यक्त किया है साथ ही कार्रवाई की मांग की है।

इसके अलावा सामाजिक कार्यकर्ता देवेंद्र तिवारी ने भी शुक्रवार को डिविजनल इंजीनियर ज्ञानेंद्र सिंह से कार्यालय त्यौंथर पहुंच कर लिखित रूप में मामले से अवगत कराया है जिसमें इंजीनियर द्वारा कार्यवाही का भरोसा दिया गया हैसामाजिक कार्यकर्ता देवेंद्र तिवारी द्वारा बताया गया है कि इसकी शिकायत हम और वरिष्ठ अधिकारियों चीफ इंजीनियर रीवा रीजन सहित कलेक्टर रीवा को आगे चलकर कार्रवाई की मांग करेंगे वहीं किसान रविकांत अग्निहोत्री सहित कई अन्य किसानों ने अपनी बातें मीडिया के सामने रखी है।

रविकांत अग्निहोत्री द्वारा अपनी बातें रखते हुए कहा गया कि बिजली विभाग से कार्य प्राप्त ठेकेदार द्वारा बिना किसी अनुमति के अपने मनमानी तरीके से पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया जा रहा है जब जहां जैसे शासकीय वृक्ष मिले या अन्य किसानों के अपने हिसाब ठेकेदार द्वारा काट दिए जा रहे हैं जिससे पर्यावरण को काफी नुकसान पहुंचाया जा रहा है साथ ही बिना परमिशन वृक्षों को काटना अपराध के दायरे में आता है ।

इसलिए हमारी प्रशासन से मांग है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए कठोर कार्रवाई करें जिससे भविष्य में अन्य किसी निर्माण एजेंसी द्वारा पर्यावरण को नुकसान ना पहुंचाएं।

विकसित कृषि संकल्प अभियान 29 मई से 12 जून तक

अभियान में हर जिले में तीन विशेषज्ञ दल करेंगे क्षेत्र का भ्रमण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।

भारत सरकार के कृषि विभाग द्वारा खेती को उन्नत और लाभकारी बनाने के लिए विकसित कृषि संकल्प अभियान शुरू किया जा रहा है। अभियान 29 मई से 12 जून तक चलाया जाएगा। इस संबंध में कमिश्नर बीएस जामोद ने बताया है कि अभियान के तहत संभाग के सभी जिलों में अधिकारियों और कृषि विशेषज्ञों के तीन-तीन दल क्षेत्र का भ्रमण करेंगे।

किसानों तथा आमजनता से संवाद करके कृषि के विकास के संबंध में सुझाव लिए जाएंगे। साथ ही किसानों को खेती को आधुनिक बनाने के लिए महत्वपूर्ण सलाह भी दी जाएगी। अभियान के दौरान खेती की उन्नत तकनीक फसलों के आधुनिक और उन्नत बीज, कृषि में किए जा रहे नवाचार, प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण तथा कृषि क्षेत्र में ड्रोन तकनीक के उपयोग के संबंध में किसानों को जानकारी दी जाएगी।

अभियान के दौरान किसानों को धान की सीधी बुआई, सोयाबीन फसल को रिजफेरो प्रणाली से लगाने तथा खरीफफसल की तैयारी के संबंध में किसानों को मार्गदर्शन दिया जाएगा। जिले में भ्रमण करने वाले दल में कृषि विज्ञान केन्द्र तथा कृषि महाविद्यालय के वैज्ञानिक, राष्ट्रीय कीट निगरानी प्रणाली से जुड़े अधिकारी, प्रगतिशील किसान तथा कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मछली पालन एवं कृषि अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी शामिल होंगे।

कमिश्नर ने कहा है कि सभी कलेक्टर अभियान की तैयारी बैठक आयोजित करके अभियान की रूपरेखा तैयार कर लें। प्रत्येक जिले में शासन के निर्देशों के अनुरूप तीन-तीन दल गठित कर दें। इन दलों के जिले भर में भ्रमण का कार्यक्र म तैयार करके प्रतिदिन दो से तीन ग्राम पंचायतों में अभियान का क्रियान्वयन कराएं। अभियान के दौरान कृषि तथा उससे जुड़े विभागों की सभी प्रमुख योजनाओं की जानकारी एवं उससे लाभ लेने की प्रक्रिया से किसानों को अवगत कराएं।

किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का उपयोग करके मिट्टी की जाँच कराने एवं आवश्यकता के अनुसार फसल को पोषक तत्व देने के लिए खाद के उपयोग का निर्धारण कराएं। खरीफफसल की तैयारी के संबंध में भी किसानों को समुचित मार्गदर्शन दें। कलेक्टर अभियान के लिए जिला स्तर पर नोडल अधिकारी तैनात कर दें।

नोडल अधिकारी अभियान की समस्त गतिविधियों में समन्वय बनाकर अभियान की प्रगति का हर सप्ताह प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। कलेक्टर और संयुक्त संचालक कृषि अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

सतना जिले में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस के निर्देशन में विकसित कृषि संकल्प अभियान की तैयारी पूर्ण की जा रही है। उप संचालक कृषि मनोज कश्यप ने बताया कि विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025 के प्रदेश में क्रि यान्वयन एवं संचालन के लिए अटारी जबलपुर द्वारा 168 टीमें बनाई गई है।

जिलेवार वैज्ञानिकों की टीम में सतना जिले के लिए 4 टीमें गठित की गई है। जिनमें कृषि विज्ञान केन्द्र के 8 कृषि एक्सपर्ट केबीके और 2 सहायक मिट्टी परीक्षण अधिकारियों को शामिल किया गया है। वैज्ञानिक दल प्रतिदिन 3 पंचायतों में कार्यक्र म करेंगे। जिसमें कम से कम 500-600 किसान सहभागिता करेंगे।

आई टी आई में प्रवेश हेतु आनलाईन आवेदन शुरू

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कौशल विकास विभाग द्वारा शासकीय आई.टी.आई. में प्रवेश दर में वृद्धि एवं कुशल मानव संसाधन तैयार करने हेतु प्रवेश वर्ष 2025 में आई.टी.आई. चले अभियान चलया जा रहा है। प्रवेश हेतु म.प्र. राज्य कौशल विकास एवं रोजगार निर्माण की वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन कर सकते है।

पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू करने से पहले अपने समस्त प्रमाण पत्र अपने साथ रखें तथा प्रमाण पत्र के अनुसार ही विवरण भरें। आवेदक अपना नाम, माता/पिता का नाम, जन्म तिथि अपने 10 वीं की अंकसूची से मिलान करके ही दर्ज करें। एक मोबाइल नंबर या ई-मेल से एक बार ही रजिस्ट्रेशन होगा। पंजीकरण पूरा करने के बाद अपना पंजीकरण संख्या नोट कर लें तथा पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें। अपनी श्रेणी तथा उप श्रेणी का चयन अपने प्रमाणपत्र के अनुसार ही करें।

विचार

असीम मुनीर का अगला प्रमोशन राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री पद पर?

फील्ड में हारने वाले को वैसे तो फेल्ड कहते हैं लेकिन पाकिस्तान ऐसे लोगों को फील्ड मार्शल कहता है। देखा जाये तो भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया सैन्य संघर्ष के दौरान बुरी तरह पिटने वाले पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष मौलाना असीम मुनीर को पाकिस्तान सरकार की ओर से प्रमोशन देकर उन्हें फील्ड मार्शल बनाना उसी पुरानी कड़ी का दोहराव है जिसके तहत हर हार के बाद पाकिस्तानी सेना को वहां का शासन %हार% पहनाता है। इसके अलावा, अपनी सेना के विफल होने के बावजूद जिस तरह प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष की हर मंच से जमकर तारीफ की और फिर उन्हें फील्ड मार्शल बनाना पड़ा वह दर्शाता है कि वह नहीं चाहते कि जैसा उनके भाई ने भुगता वैसा ही वह भी भुगतें। उल्लेखनीय है कि शहबाज शरीफ के भाई नवाज शरीफ की सत्ता को पलट कर तत्कालीन पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष जनरल परवेज मुशर्रफ ने पाकिस्तान की सत्ता संभाल ली थी। असीम मुनीर भी पाकिस्तान पर राज करना चाहते हैं यह बात वहां के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भलीभांति जानते हैं इसलिए वह पर्दे के पीछे से सारा नियंत्रण असीम मुनीर को चलाने दे रहे हैं ताकि उनकी खुद की गाड़ी भी चलती रहे। जरदारी और शहबाज अच्छी तरह जानते हैं कि उनका अपने पद पर बने रहना लोकतंत्र पर नहीं, बल्कि मुनीर की कृपा पर निर्भर करता है।

फील्ड मार्शल बनने के बाद असीम मुनीर अगली पदोन्नति के रूप में कौन-सा पद चाहेंगे यह देखने वाली बात होगी, वैसे यह तो है कि पाकिस्तान के इतिहास में इस पद पर पदोन्नत होने वाले वह दूसरे शीर्ष सैन्य अधिकारी बन गये हैं। उनसे पहले जनरल अयूब खान को 1959 में फील्ड मार्शल का पद दिया गया था। मुनीर ने पाकिस्तान की दोनों शक्तिशाली जासूसी एजेंसियों- आईएसआई और मिलिट्री इंटेलिजेंस (एमआई) का नेतृत्व किया है। वह पाकिस्तान के इतिहास में [illegible] और [illegible] दोनों का नेतृत्व करने वाले एकमात्र अधिकारी हैं और पहले ऐसे सेनाध्यक्ष भी हैं जिन्हें प्रतिष्ठित स्वॉर्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया है। असीम मुनीर ने नवंबर 2022 में सेना प्रमुख के रूप में पदभार ग्रहण किया था। उन्होंने जनरल कमर जावेद बाजवा का स्थान लिया था जो लगातार तीन वर्षीय दो कार्यकाल के बाद सेवानिवृत्त हुए थे। वैसे असीम मुनीर ने अब तक कोई लड़ाई जीती नहीं है और सिर्फ कट्टरपंथ को ही आगे बढ़ाया है। लेकिन फिर भी उनकी पदोन्नति को ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में समझने के लिए यह याद करना ज़रूरी है कि पाकिस्तान के पहले फील्ड मार्शल अय्यूब ख़ान अपने देश के पहले सफल सैन्य तख्तापलट के सूत्रधार भी थे।

सही कहा राहुल जी, देश को सच्चाई जानने का हक है

डॉ. आशीष वशिष्ठ

पिछले लगभग 11 वर्षों में राहुल गांधी भारत सरकार और विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रश्न पूछते रहते हैं। प्रायः राहुल गांधी के प्रश्नों का मंतव्य देश, सेना और सरकार की छवि धूमिल करना होता है। अपनी आदत से मजबूर राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एस पर एक पोस्ट कर ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर को प्रश्नों के कटघरे में खड़ा किया है। एक तरह से कह सकते हैं कि देश की सबसे पुरानी पार्टी के सबसे बड़े नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने ऑपरेशन सिंदूर पर प्रमाण मांगे हैं।

फ्रांसीसी दार्शनिक और लेखक वॉल्टेयर कहते हैं कि- किसी भी व्यक्ति को उसके प्रश्नों से पहचानें, न कि उसके उत्तरों से। हमारे द्वारा किसी से भी पूछा गया प्रश्न यूं तो साधारण मालूम होता है, लेकिन यह हमारी संवेदनशीलता और चरित्र का भी मूल्यांकन करता है। इसलिए लिहाज़ा जब भी प्रश्न करना हो तो उससे पहले स्वयं से प्रश्न करना आवश्यक है।

पिछले लगभग 11 वर्षों में राहुल गांधी भारत सरकार और विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रश्न पूछते रहते हैं। प्राय- राहुल गांधी के प्रश्नों का मंतव्य देश, सेना और सरकार की छवि धूमिल करना होता है। अपनी आदत से मजबूर राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट कर ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर को प्रश्नों के कटघरे में खड़ा किया है। एक तरह से कह सकते हैं कि देश की सबसे पुरानी पार्टी के सबसे बड़े नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने ऑपरेशन सिंदूर पर प्रमाण मांगे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर पर प्रश्न पूछने के कारण राहुल गांधी पुन- एक बार पाकिस्तानी मीडिया की आंखों के तारे बने हुए हैं। राहुल गांधी का यह पोस्ट पाकिस्तानी मीडिया में बड़े पैमाने पर प्रचारित किया जा रहा है। राहुल गांधी के पोस्ट को पाकिस्तान के प्रमुख मीडिया चैनलों और समाचार पत्रों ने भी हाथों-हाथ लिया है। कई टीवी डिबेट्स में इस पर चर्चा हो रही है। राहुल गांधी ने पोस्ट किया कि 'विदेश मंत्री की चुप्पी केवल बयानबाजी नहीं, बल्कि यह निंदनीय है। मैं फिर से सवाल पूछता हूं- हमने कितने भारतीय विमान खोए क्योंकि पाकिस्तान को पहले से जानकारी थी? यह चूक नहीं थी, यह एक अपराध था। और देश को सच्चाई जानने का हक है।

वैसे यह कोई प्रथम अवसर नहीं है जब कांग्रेस या उसके नेता ने देश के गौरव, उपलब्धि और सेना के पराक्रम को प्रश्नों के कटघरे में खड़ा किया है। बालाकोट एयर स्ट्राइक और उरी सर्जिकल स्ट्राइक के समय भी कांग्रेस ने सेना से प्रमाण मांगे थे। भारतीय सेना स्पष्ट कर चुकी कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत का कोई विमान हताहत नहीं हुआ। बावजूद इसके राहुल गांधी सेना के बयान को झूठा साबित करने में लगे हैं। ऐसा करके वो यह साबित करना चाहते हैं कि भारतीय सेना सरकार के दबाव और कहने पर झूठ बोल रही है। सरकार ऑपरेशन सिंदूर को लेकर देशवासियों से कुछ छिपा रही है।

वास्तविकता यह है कि, भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए जैसा विध्वंस पाकिस्तान में किया है, उतना 1965 और 1971 के युद्ध में भी नहीं हुआ था। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने जो किया वह चीन, तुर्किए और अमेरिका को भी सदमे में डालने वाला है। भारतीय सेना हर बार की भांति इस बार भी अतुलनीय, अपराजेय और अगम्य रही। कांग्रेस पार्टी भी सच्चाई से अवगत है। लेकिन, मोदी सरकार को ऑपरेशन सिंदूर का कहीं श्रेय न मिल जाए, इसलिए वो क्षुद्र राजनीति पर उतर आई है। वास्तव में, कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करते करते प्राय- राष्ट्र विरोध पर उतर आती है।

यह सर्वविदित है कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष हिंदू पर्यटकों को निर्दयता से मारा। बावजूद इसके, राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी ने पाकिस्तान की कड़े शब्दों में निंदा नहीं की? पाकिस्तान ही नहीं हमारे शत्रु चीन के साथ कांग्रेस के मधुर संबंध जगजाहिर हैं। कांग्रेस पार्टी का चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ एमओयू, डोकलाम विवाद के समय राहुल गांधी का चोरी-छिपे चीनी दूतावास के अधिकारियों से मिलना,चीनी झड़प के दौरान सरकार-सेना पर सवाल उठाना, सरकार की जगह पार्टी से परिवार के लोगों का चीन जाना, कैलाश मानसरोवर की यात्रा के दौरान चीनी अधिकारियों से गुपचुप मुलाकात करना यह सब कांग्रेस पार्टी के साथ गांधी परिवार को संदेह के घेरे में खड़ा करता है। 11 नवंबर 2019 को तुर्किए की सरकारी न्यूज एजेंसी अनादोलू ने एक खबर के मुताबिक, भारत की मुख्य विपक्षी पार्टी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने तुर्की में अपना एक विदेशी कार्यालय खोला है। यह वहीं तुर्की है जो हमारे शत्रु पाकिस्तान को हथियार देता है। कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा बताता है। कश्मीर के आतंकवादियों को स्वतंत्रता सेनानी कहता है। ऑपरेशन सिंदूर के समय तुर्की ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया। क्या ये भारत के खिलाफ खड़े देशों से मेलजोल का हिस्सा है? क्या कांग्रेस तुर्की के ज़रिए पाकिस्तान से बैकडोर संवाद कर रही थी? क्या ये भारत के खिलाफ राजनीतिक षड्यंत्र है?

राहुल जी, देश भी आपसे प्रश्न पूछना चाहता है। 1962 के युद्ध में कांग्रेस की सरकार ने हजारों वर्ग किमी जमीन चीन क्यों हड़पने दी? 1971 के युद्ध में कांग्रेस की सरकार अपने 54 वीर सैनिकों को पाकिस्तान से क्यों छुड़ा नहीं पाई? 1971 के युद्ध और शिमला समझौते से भारत को क्या हासिल हुआ? सिंधु जल संधि में भारत के हिस्से का पानी पाकिस्तान को क्यों दिया गया? तुर्की जैसे भारत विरोधी देश में आपकी पार्टी को आफिस खोलने की क्या जरूरत थी? चीन से गुपचुप मिलने और एमओयू साइन करने में कौन सा देश हित छिपा है? आतंकियों और उनके सरपरस्त पाकिस्तान के प्रति कांग्रेस पार्टी का रवैया हमेशा %नरम% क्यों रहता है? देश को यह सच्चाई जानने का भी हक है।

राहुल जी, पिछले कुछ वर्षों में आपने कई बार विदेशी मंचों का प्रयोग भारत को लेकर विवादास्पद बयान देने के लिए किया है। इस पर आपकी पार्टी का यह तर्क रहा है कि वे भारत की %असली तस्वीर% दुनिया के सामने रख रहे हैं। लेकिन, राहुल जी आलोचना और अपयश में एक सूक्ष्म अंतर होता है। एक राष्ट्रीय नेता को यह समझना चाहिए कि देश और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दिए गए वक्तव्य केवल घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वे देश की छवि, निवेशकों के भरोसे और वैश्विक कूटनीतिक संबंधों पर भी प्रभाव डालते हैं। राहुल जी, पंजाबी के चर्चित कवि शिव कुमार बटालवी ने लिखा है- 'चंगा हुंदा सवाल ना करदा मैंनूं तेरा जवाब लै बैठा।' अर्थात प्रश्न न करना ही अच्छा रहता है क्योंकि प्रश्न के उत्तर में जो कहा गया वो प्रश्न करने वाले को ही ले बैठा अथवा उसे ही तोड़ डाला या समाप्त कर डाला। हमारे द्वारा पूछे गए किसी प्रश्न का कोई क्या उत्तर देता है और किस अंदाज़ में देता है यह तो हमारे वश में नहीं होता, लेकिन प्रश्न पूछना अवश्य हमारे वश में होता है। कई बार ऐसे प्रश्न पूछ लिए जाते हैं जिनसे सामने वाले का मूल्यांकन होने के बजाय पूछने वाले का ही मूल्यांकन हो जाता है। राहुल जी, सच को कभी झुठलाया और छिपाया नहीं जा सकता। देश को सच जानने का हक है। जो सवाल ऑपरेशन सिंदूर को लेकर आपने पूछे हैं उनका जवाब तो सेना पहले ही दे चुकी है। लेकिन सच की आड़ लेकर आप और आपकी पार्टी जो झूठ, अविश्वास, संदेह और भ्रम फैला रही है, उससे सेना और देशवासियों के मनोबल और विश्वास को ठेस पहुंचती है।

या अब्राहमिक भाईचारे के मुकाबले हान-हिंदू-स्लाविक भाईचारे को मजबूत कर पाएंगे जिनपिंग-मोदी-पुतिन?

हाल ही में भारत के खिलाफ पाकिस्तान को उकसाने की जो उसकी पुरानी रणनीति पुन: प्रकाश में आई है, उसमें चीन-भारत ने यदि रूसी प्रभाववश आपसी समझदारी न दिखाई होती, तो अमेरिका अपने क्षुद्र चाल सफल हो जाता! इसलिए सवाल उठता है कि अब्राहमिक भाईचारे के मुकाबले हान-हिंदू भाईचारे को मजबूत करने में जिनफिंग-मोदी अपनी भावी भूमिका निभाएंगे, या फिर अपनी भू-राजनीतिक अदूरदर्शिता का परिचय देते हुए भावी परोक्ष अमेरिकी रणनीति के समक्ष घुटने टेक देंगे, यक्ष प्रश्न है!

कहना न होगा कि किसी भी देश या उसके मित्र राष्ट्र में सभ्यता-संस्कृति की चिंता और उन्हें पुनर्विकसित करने-करवाने वाली भविष्य की योजना, उसपर आधारित अद्यतन सोच-समझ स्पष्ट होनी चाहिए। कहने का तातपर्य यह कि ऐसे महत्वपूर्ण देशों को दूर की सोच रखनी चाहिए। इसलिए तो एक तरफ जहां अमेरिका जैसा मजबूत राष्ट्र भी भावी रूसी-चीनी-भारतीय महात्रिकोण (ब्रिक्स संगठन के रणनीतिकार पार्टनर देश) का मुकाबला करने के लिए नाटो के अलावा पाकिस्तान-सऊदी अरब-कतर तथा ईरान के साथ अपने याराना को मजबूत कर रहा है।

खास बात यह है कि अमेरिका यह सबकुछ तब कर रहा है जबकि इनमें से कुछ देशों से वह खार खाए रहता है। जैसे अमेरिका-ईरान यदि एक दूसरे के करीबी बनते हैं तो यह कितने आश्चर्य की बात होगी। अमेरिका-इजरायल यदि अब्राहमिक ब्रदरहुड के नाम पर अपने मतभेद भुला देते हैं तो यह कितने आश्चर्य की बात होगी। हालांकि, इसी प्रकार की समझदारी यदि भारत-चीन भी दिखा दें तो कोई हैरत की बात नहीं होगी। पूर्वी एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के विभिन्न देशों में भी ऐसी रणनीतिक समझदारी विकसित करवाई जा सकती है, क्योंकि सवाल सभ्यता-संस्कृति की पुनररक्षा से जुड़ा हुआ है। देखा जाए तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जो हर ब्रेक के बाद बदलती कूटनीति है, वह यह स्पष्ट रूप से बतलाती है कि निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए मौकापरस्त अमेरिका निकट भविष्य में बहुत कुछ रणनीतिक फेरबदल इसलिए करने वाला है, क्योंकि रूस से भारत को तोड़ने और चीन से भारत को भिड़ाने की जो उसकी सोची समझी चाल थी, मोदी प्रशासन ने उसकी हवा निकाल दी है। दक्षिण चीन सागर से लेकर तिब्बत, कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश के अलावा पाकिस्तान-बांग्लादेश-म्यांमार जैसी थोपी हुई कूटनीतिक मुसीबतों से पार पाने की कला अब भारत सीख चुका है, वो भी बिल्कुल अपने दम पर। यही वजह है कि हथियार लॉबी के इशारों पर थिरकने वाला अमेरिका और उसका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब अबू धाबी में शेख के साथ 'अब्राहमिक फ़ैमिली हाउस' घूमने पहुंचा है, जो कि काफी बड़ी बात है। इसलिए इसके इशारों को समझदारी पूर्वक लोगों को समझाना चाहिए। बताते चलें कि भले ही अपने पहले चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप ने मुसलमानों के खिलाफ तेवर दिखा कर काफी लोकप्रियता पाई थी। लेकिन 2016 में राष्ट्रपति बनते ही उन्होंने जिस प्रकार से कुछ इस्लामी देशों के लोगों की आवाजाही रोकी और आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट के खिलाफ अमेरिकी सेना को झोंका, उसे नेस्तनाबूद किया, वह गौर करने वाली बात थी। हालांकि तब भी वे सऊदी अरब और कतर पर फिदा थे, मेहरबान रहते थे। उन्होंने अपनी चतुराई से एक ओर यहूदी देश इजराइल के नेतन्याहू को साधा तो दूसरी ओर उसके धुर विरोधी सऊदी अरब और कतर को महत्व दिया। वहीं, वर्ष 2017 में राष्ट्रपति ट्रंप जब अपनी पहली विदेश यात्रा पर रियाद गए तो वह एक नए गठबंधन की शुरुआत थी। क्योंकि उन्होंने उस यात्रा में पचास से अधिक मुस्लिम देशों के नेताओं को संबोधित किया। इसप्रकार ईरान के खिलाफ साझा मोर्चा बनाने और अरब बिरादरी को नई दिशा देने की जमीन उन्होंने

बनाई। हालांकि, शेष दुनिया तब हैरान थी जब वर्ष 2020 में अमेरिकी मध्यस्थता से संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन ने इज़राइल के साथ ऐतिहासिक 'अब्राहमिक ब्रदरहुड समझौते' पर दस्तखत किए। बता दें कि 1979 में मिस्र और 1994 में जॉर्डन ने भी इज़राइल को कूटनीतिक मान्यता भी दी है। सम्भवतया राष्ट्रपति ट्रंप के इसी तेवर पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी फिदा थे, लेकिन अपने स्वभाव के मुताबिक बहुत ही फूंक फूंक कर वो कदम रख रहे थे।

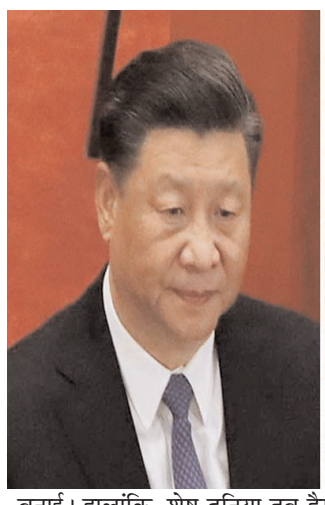

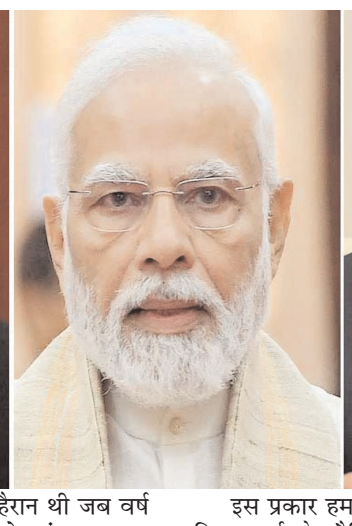

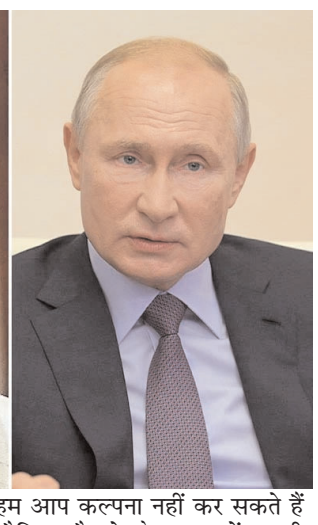

वहीं, अब मौजूदा हालात पर भी गौर फरमाइए। एक तरफ इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू फिलस्तीनी मुसलमानों को तबाह करके गाजा से भगा दे रहे हैं। इसके बावजूद कतर, सऊदी अरब, खाड़ी देशों ने नेतन्याहू पर वरदहस्त रखे हुए डोनाल्ड ट्रंप का दिल खोल कर स्वागत किया है। ऐसा सिर्फ इसलिए कि अरब-खाड़ी देश अमेरिका से वह सब कुछ ले रहे हैं, जो उन्हें चाहिए और अमेरिका को भी वह सब कुछ दे रहे हैं, जो डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं।

इस प्रकार हम आप कल्पना नहीं कर सकते हैं कि एआई के वैश्विक पैमाने के डाटा सेंटर की स्थापना से लेकर बेइंतहां अमेरिकी हथियारों की खरीद के साथ पश्चिमी सभ्यता की कसौटियों के विश्वविद्यालयों, बौद्धिक संस्थानों, मीडिया, म्यूजियम, फैशन याकि दुनिया की सॉफ्ट और हार्ड पॉवर बनने की जैसी प्लानिंग सऊदी अरब, कतर, यूएई की धुरी पर गुल खिला रही है, वह कमोबेश क्षेत्रीय व वैश्विक दीर्घकालीन उद्देश्यों में अभूतपूर्व है।

कहने का अभिप्राय यह कि इनकी वित्तीय ताकत की पहले से ही एक धुरी है। ऐसे में यदि इनके साथ अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के कारण इजराइल से अरब देशों का सद्भाव बना रहा तो पृथ्वी का यह इलाका भविष्य में उस महाशक्ति क्षेत्र का पर्याय हो सकता है, जो रूस, चीन, भारत और यूरोपीय संघ में शामिल कई महत्वपूर्ण देशों को पछाड़ता हुआ सबसे आगे होगा। इसलिए इन देशों को अभी से चौकस होना होगा। एकजुटता दिखानी पड़ेगी। ऐसे में स्वाभाविक सवाल है और आप समझ-बूझ भी विकसित कर सकते हैं कि तब कतर, सऊदी अरब, अबू धाबी, दुबई आदि देशों का बड़ा प्रभाव वाला क्षेत्र कौन सा होगा? तो हम यहां पर स्पष्ट कर दें कि सबसे पहले ये दुनिया की मुस्लिम जमात के मसीहा और संरक्षक होंगे। साथ ही एशिया खासकर दक्षिण एशिया इनकी मनमाफिक कॉलोनी यानी कि दिलचस्पी वाला महत्वपूर्ण बाजार होगा। जिसमें पाकिस्तान उनकी एटमी महाशक्ति होगी और भारत पर इनका वित्तीय-आर्थिक कब्जा होगा। ऐसा शायद इसलिए भी सम्भव हो पाएगा कि हम हिंदुओं का दिमाग छोटा और कूपमंडूक की मानसिकता वाला है। वहीं मोटामोटी अध्ययन करे तो यह स्पष्ट है कि चीन के बाद अरब-खाड़ी देशों में ही हमारा आर्थिक टेटुआ ज्यादा फंसता हुआ है। जिसकी कोई काट फिलवक्त हमारे पास नहीं है। यही वजह है कि भारत सरकार के मातहत यह अध्ययन होना चाहिए कि भारत के शेयर बाजार से लेकर अंबानी, अडानी जैसे कथित देशी जगत सेठों ने अरब-खाड़ी देशों से कितनी पूंजी लेकर उन्हें कितना मुनाफा कमा कर दे रहे हैं या फिर ऐसा करने का वादा किया हुआ है? क्योंकि मुझे मिली यह जानकारी हैरान कर गई कि मुकेश अंबानी के रिलायंस ने रिटेल दुकानदारी के धंधे में भी कतर के सार्वभौम फंड का पैसा निवेश किया हुआ है। कहने का तातपर्य यह कि जैसे चीन ने किया है, ठीक वैसे ही अरब-खाड़ी देशों ने भारत में अपना तंत्र बना लिया है। दो टूक शब्दों में कहें तो ये भारत के अडानी-अंबानी आदि एकाधिकारी सेठों को एजेंट बना कर उनके जरिए भारत के बाजार पर कब्जा रखने-बनाने की रणनीति में मशगूल हैं।

वहीं मेरा विश्वास है कि निश्चित रूप से ये ऐसा पाकिस्तान, बांग्लादेश में भी कर रहे होंगे। क्योंकि पाकिस्तान का शरीफ घराना तो वैसे ही पूरी तरह बिकाऊ है, जैसे हमारे धंधेबाज बनिया (जाति नहीं प्रवृति) हैं।

मैनपुर में सुशासन तिहार शिविर सम्पन्न

दूरस्थ ग्रामवासियों को राज्य सरकार की योजनाओं की दी जा रही जानकारी और हितग्राहियों को लाभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला के भरतपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम मैनपुर में 08 अप्रैल से 11 अप्रैल 2025 तक सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के तीसरे चरण में आज शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर मैनपुर में आयोजित किया गया, शिविर का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया, जिसमें उपस्थित समस्त जनप्रतिनिधि शामिल थे। दीप प्रज्वलन के पश्चात जनप्रतिनिधियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया, जिससे कार्यक्रम का संपूर्ण वातावरण सम्मान, सौहार्द्र और सहभागिता की भावना से अभिभूत रहा। इस विशेष शिविर में जुईली, रापा, मैनपुर, बड़वार, बेनीपुरा, केसौडा, बड़गांवकला तथा मनियारी ग्राम पंचायत के ग्रामीणजन उपस्थित रहे। शिविर में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया गया। शिविर में ग्रामीणों को अवगत कराया गया कि सुशासन तिहार का आयोजन तीन चरणों में किया जा रहा है, जिसमें

वर्तमान में तीसरा चरण संचालित हो रहा है। शिविर के माध्यम से उपस्थित लोगों को विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही यह भी बताया गया कि किन विभागों ने अब तक कितने आवेदनों का निराकरण किया है, कितने आवेदन प्रक्रियाधीन है तथा कितनी शिकायतें प्राप्त हुई हैं। सुशासन तिहार कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित विशेष शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं और विभिन्न योजनाओं से संबंधित कुल 1338 आवेदन प्राप्त हुए। प्रशासन द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए इनमें से 1188 आवेदनों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि 160 आवेदन लंबित रह गए हैं, जिनके शीघ्र निराकरण का भरोसा संबंधित अधिकारियों द्वारा दिलाया गया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को सर्वाधिक 839 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 826 का त्वरित निराकरण किया गया, जबकि 14 आवेदन लंबित हैं। पशुधन विकास विभाग के सभी 13 आवेदनों का निराकरण किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग (मैनपुर क्लस्टर) को 79 आवेदन मिले, जिनमें से 78 का समाधान किया गया और 1 लंबित हैं। आदिम जाति विकास विभाग को 24 आवेदन प्राप्त हुए, 24 आवेदनों का निराकरण कर लिया गया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को 74 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से केवल 46 का निराकरण हो पाया, जबकि 28 आवेदन लंबित हैं। कृषि विभाग को 53 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 52 का निराकरण किया गया, जबकि 1 अभी भी लंबित हैं। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग को 144 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 85 का निराकरण किया गया और 59 आवेदन शेष हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग को 10 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका सभी का निराकरण कर दिया गया। ऊर्जा विभाग को 56 आवेदन मिले, जिनमें से 37 का निराकरण हुआ और 20 अभी भी लंबित हैं। अधिकारियों ने बताया कि लंबित आवेदनों का निराकरण शीघ्र किया जाएगा। शिविर के दौरान नागरिकों को शासन की योजनाओं की जानकारी दी गई और विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने मौके पर ही समस्याओं का निराकरण करते हुए कार्य की पारदर्शिता और जवाबदेही का परिचय दिया। जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी और आम जनता की सक्रिय भागीदारी ने शिविर को सफल और प्रभावी बना दिया।

कार्यक्रम के दौरान अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे। जनपद पंचायत अध्यक्ष माया प्रताप सिंह, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सुखवंती सिंह, जनपद सदस्य सुखलाल मराबी, श्रीमती दुर्गावती सिंह, धर्मपाल सिंह मराबी, अजय बहादूर सिंह सरपंच मैनपुर, गोकूल बैगा सरपंच बेनीपुरा, रामचरन बैगा सरपंच बड़वार, श्रीमती तेरसिया सरपंच रांपा, श्रीमती मानमती सरपंच जुईली, श्रीमती मीरा बाई सरपंच केसौड़ा, श्रीमती कैलासी बाई सरपंच बडगांवकला, सुखलाल सरपंच मनियारी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त अनुविभागीय अधिकारी शशि शेखर मिश्रा, जनपद पंचायत सीईओ अजय सिंह राठौर, तहसीलदार नीरजकांत तिवारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारीगण भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए और कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए मोबाइल जमा करने की सुविधा प्रदान करेगा निर्वाचन आयोग

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मतदाताओं की सुविधा बढ़ाने और मतदान दिवस की व्यवस्थाओं को सरल बनाने के उद्देश्य से निर्वाचन आयोग ने दो और व्यापक निर्देश जारी किए हैं। इनमें मतदान केंद्रों के बाहर मोबाइल जमा सुविधा प्रदान करना और प्रचार नियमों का सरलीकरण शामिल है। ये निर्देश लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 और निर्वाचन संचालन नियम, 1961 के संबंधित प्रावधानों के अनुरूप है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल फोन के बढ़ते उपयोग और मतदाताओं विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और दिव्यांगजनों को मतदान दिवस पर मोबाइल फोन संभालने में होने वाली कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए, आयोग ने मतदान केंद्रों के ठीक बाहर मोबाइल जमा सुविधा की अनुमति देने का निर्णय लिया है।

मतदान केंद्र से 100 मीटर की परिधि के भीतर केवल बंद (स्विच ऑफ) स्थिति में मोबाइल फोन रखने की अनुमति होगी। मतदान केंद्र के प्रवेश द्वार के पास साधारण पिजनहोल बॉक्स या जूट बैग रखे जाएंगे, जिनमें मतदाताओं को अपने मोबाइल फोन जमा करने होंगे। मोबाइल फोन मतदान केंद्र के अंदर ले जाने की अनुमति नहीं होगी। हालांकि, कुछ मतदान केंद्रों को स्थानीय प्रतिकूल परिस्थितियों के आधार पर रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा इस प्रावधान से छूट दी जा सकती है। मतदान केंद्र के भीतर मतदाता की गोपनीयता सुनिश्चित करने वाला निर्वाचन संचालन नियम 49 एम सख्ती से लागू रहेगा।

इसके अतिरिक्त, मतदान दिवस पर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से आयोग ने प्रचार की अनुमति सीमा को निर्वाचन कानूनों के अनुरूप मतदान केंद्र से 100 मीटर की दूरी तक सीमित कर दिया है। मतदान दिवस पर मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे में चुनाव प्रचार की अनुमति नहीं होगी। अतः मतदान दिवस पर उम्मीदवारों द्वारा मतदान दिवस पर ऐसे बूथ, जिनसे वे आधिकारिक मतदाता सूचना पर्ची (ङ्कढ्ढस्) न होने की स्थिति में अनौपचारिक पहचान पर्ची वितरित करते हैं, अब मतदान केंद्र से 100 मीटर की दूरी के बाहर लगाए जा सकेंगे। मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार तथा निर्वाचन आयुक्तगण डॉ. सुखबीर सिंह संधू एवं डॉ. विवेक जोशी के नेतृत्व में भारत निर्वाचन आयोग विधिक ढांचे के अनुसार निष्पक्ष निर्वाचन कराने के लिए प्रतिबद्ध है और साथ ही मतदाताओं के लिए सुविधाएं बढ़ाने हेतु लगातार नवाचार करता रहेगा।

दावा-आपत्ति 9 जून तक आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ग्राम/नगर तेन्दुडांड की जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजस्व निरीक्षक मनेंद्रगढ़ (शहरी) द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि ग्राम तेन्दुडांड प.ह.न. 15 की दक्षिणी सीमा के बाद अवस्थित असर्वेक्षित भूमि का भू सर्वेक्षण उक्त आदेश के परिपालन में राजस्व/वन विभाग की संयुक्त टीम के द्वारा किया जाकर उक्त असर्वेक्षित भूमि ग्राम तेन्दुडांड स्थित भूमि ख.न. 1 रकबा 0.280, हे.(सड़क-रास्ता), ख.न. 2 रकबा 0.720 हे. (पहाड़-चट्टान), ख.न.3 रकबा 9.500 हे. (पहाड़-चट्टान), ख.न.4 रकबा 5.050 हे. (काबिल-कास्त), ख.न.5 रकबा 1.520 हे. (काबिल-कास्त), ख.न.6 रकबा 4.910 हे.(काबिज-कास्त), ख.न.7 रकबा 14.290 हे. (पहाड़-चट्टान), ख.न.8 रकबा 3.450 हे. (पानी के नीचे), ख.न.9 रकबा 14.300 हे. (पहाड़-चट्टान), ख.न.10 रकबा 10.370 हे. (पानी के नीचे) कुल खसरा 10 कुल रकबा 64.390 हे. खसरा पांचशाला खण्ड-1 व खण्ड-2, अधिकार अभिलेख, निस्तार पत्रक व नक्शा के साथ अग्रिम कार्यवाही किये जाने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त भूमि के भू-सर्वेक्षण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को दावा आपत्ति पेश करना है, तो दिनांक 9 जून 2025 तक पेश कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त किसी भी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

छत्तीसगढ़ में कोरोना फिर एक्टिव, रायपुर में मिला कोविड-19 का पहला मरीज, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। पूरे विश्व को अपनी चपेट में लेने वाले कोविड-19/कोरोना वायरस का डर एक बार फिर लोगों के मन में घर कर गया है. छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में कोरोना संक्रमित मरीज की पहचान होने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है. यह खबर उन दिनों की याद दिलाती है जब कोरोना के खौफ से पूरा विश्व दहशत में जी रहा था. इस नए मामले के सामने आने के बाद छत्तीसगढ़ का स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है. प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों को सतर्क रहने और आवश्यक एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए हैं.

बताया जा रहा है कि रायपुर के लक्ष्मीनगर, पचपेड़ी नाका निवासी एक व्यक्ति को सर्दी-खाँसी की शिकायत के बाद अस्पताल में रूटीन चेकअप के लिए भर्ती कराया गया था. लक्षणों के आधार पर डॉक्टरों को कोरोना संक्रमण की आशंका हुई, जिसके बाद उनका सैंपल लिया गया. रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद तुरंत मरीज को आइसोलेट कर उपचार शुरू कर दिया गया है. छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग ने जनता से भी अपील की है कि वे घबराएं नहीं, बल्कि सावधानियां बरतें. मास्क का उपयोग करें, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें और हाथों को बार-बार धोते रहें. यदि किसी भी तरह के लक्षण महसूस होते हैं, तो तत्काल स्वास्थ्य जांच कराएं.

रायपुर मरीज के परिजनों और संपर्क में आए लोगों की कोरोना जांच: पॉजिटिव मरीज लक्ष्मीनगर पचपेड़ी नाका का निवासी है, जिसे आइसोलेशन में रखा गया है. उसके परिजनों की कोरोना जांच की गई है. उसके संपर्क में आए अन्य लोगों को अलर्ट किया गया है. बताया जा रहा है कि कुछ दिनों से मरीज को सर्दी खांसी की शिकायत थी. डॉक्टरों का कहना है कि इलाज जारी है. इस मामले में हेल्थ डिपार्टमेंट मरीज की ट्रैवल हिस्ट्री खंगाल रही है. फिलहाल देश में 95 सक्रिय मरीज पाए गए हैं. तमिलनाडु में 66 और महाराष्ट्र में 56 हैं. दिल्ली (23), पुडुचेरी (10), कर्नाटक (13), गुजरात (7), राजस्थान (2), हरियाणा (1), सिक्किम (1) और पश्चिम बंगाल (1) शामिल हैं.

5 महीने की प्रग्नेंट युवती, जबरन खिलाई अबॉर्शन की दवा, मां बोली- बॉयफ्रेंड अस्पताल में एडमिट कर भागा

मीडिया ऑडीटर, अंबिकापुर **(एजेंसी)।** छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती 5 महीने की गर्भवती एक युवती की मौत हो गई है. युवती की मौत से परिजनों में शोक का माहौल है. परिजनों ने मृतका के प्रेमी पर जबरन गर्भपात की दवाई खिलाने का आरोप लगाया है. परिवार का कहना है कि मृतिका का प्रेमी उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कर मौके से फरार हो गया था. इसके बाद युवती की मौत हो गई. पूरा मामला अंबिकापुर के कोतवाली थाना क्षेत्र का है मायापुर इलाके का है. मायापुर में रहने वाली एक 22 साल की लड़की का पड़ोस के रहने वाले गोलू नाम के युवक के साथ प्रेम संबंध चल रहा था. इस दौरान युवती 5 महीने की गर्भवती भी हो गई थी. फिलहाल परिवार की शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है.

छात्रावास हेतु निजी प्रेक्टिशनर चिकित्सक से आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग, मंत्रालय, रायपुर द्वारा विभागीय छात्रावास/आश्रमों में निवासरत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए "स्वस्थ्य तन स्वस्थ्य मन" (स्वास्थ्य सुविधा) योजना वर्ष 2007 के प्रावधान अन्तर्गत शिक्षा सत्र 2025-26 में जिले में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं की अनुपलब्धता वाले छात्रावास/आश्रमों में चिकित्सीय परीक्षण स्थानीय स्तर पर अनुबंध के आधार पर किये जाने हेतु निजी प्रेक्टिशनर चिकित्सक (एमबीबीएम/बीएएमएस) से शर्तों के अधीन 09 जून 2025 सायं 5:30 बजे तक आवेदन आमंत्रित किया जाता है। नियम एवं शर्तों की जानकारी के लिए कार्यालय आदिवासी विकास विभाग अथवा जिले के वेबसाईट https://manendragarh-chirmiri-bharatpur.cg.gov.in/ पर अवलोकन किया जा सकता है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग कर रहा हैंडपंपों की मरम्मत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। गर्मियों की तेज़ धूप और पानी की बढ़ती मांग के बीच लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति बनाए रखने के लिए मरम्मत योग्य हैंडपंपों के संधारण और सुधार का कार्य तेज़ कर दिया है। जिले के विभिन्न गांवों में खराब और बंद पड़े हैंडपंपों की मरम्मत कर ग्रामीणों को राहत पहुंचाई जा रही है। इसी क्रम में जिले के विकासखंड-मनेंद्रगढ़ के ग्राम-चनंवारीडांड में विभाग के कर्मचारियों द्वारा एक हैंडपंप की मरम्मत कर उसे पुनः चालू किया गया। मरम्मत कार्य के पूरा होते ही ग्रामवासियों को तत्काल जल सुविधा मिलने लगी। इस प्रयास से ग्रामीणों को गर्मी के मौसम में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। विभाग की यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट से निपटने की दिशा में एक अहम कदम है। ग्रामीणों ने इस कार्य के लिए विभाग का आभार जताया है और इसे समय पर उठाया गया सराहनीय कदम बताया है।

सुगम और समावेशी निर्वाचन के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने पिछले तीन महीनों में शुरू किए 18 नए नवाचार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग ने देश में सुगम और समावेशी निर्वाचन के लिए पिछले तीन महीनों में 18 नए नवाचार प्रारंभ किए हैं। इनमें सुविधाजनक मतदान से लेकर राजनीतिक दलों की सहभागिता बढ़ाने, प्रक्रियागत सुधार से लेकर निर्वाचन कार्यों में लगे अमलों की क्षमता बढ़ाने, सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग से निर्वाचन की पूरी प्रक्रिया को सुगम एवं पारदर्शी बनाने से लेकर ईसीआई मुख्यालय में ई-ऑफिस सिस्टम लागू करने जैसे कई प्रभावी और अभिनव कदम शामिल हैं। भारत निर्वाचन आयोग ने नई पहल करते हुए एक मतदान केंद्र पर अधिकतम 1200 मतदाताओं की सीमा निर्धारित की है। ऊंची इमारतों एवं कालोनियों में अतिरिक्त मतदान केंद्र स्थापित करने का भी निर्णय लिया गया है। मतदाता सूची के अद्यतनीकरण हेतु मृत्यु पंजीकरण का डेटा रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया (रत्नढ्ढ) डेटाबेस से सीधे प्राप्त किया जाएगा और सत्यापन के बाद अद्यतनीकरण किया जाएगा। आयोग ने मतदाता सूचना पर्चियों को और अधिक उपयोगकर्ता अनुकूल बनाने का भी निर्णय लिया है। अब इसमें

मतदाता का क्रमांक और भाग संख्या अधिक स्पष्टता के साथ प्रदर्शित किए जाएंगे।

भारत निर्वाचन आयोग निवार्चन की संपूर्ण प्रक्रिया में हर स्तर पर राजनीतिक दलों की सहभागिता बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रहा है। इसके लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ देशभर में 4719 बैठकें आयोजित की गई हैं। इन बैठक में राजनीतिक दलों के 28 हजार से अधिक प्रतिनिधियों ने भागीदारी दी है। सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को मिलाकर सीईओ स्तर पर 40, डीईओ स्तर पर 800 तथा ईआरओ स्तर पर राजनीतिक दलों के साथ 3879 बैठकें आयोजित की गई हैं। इन बैठक में राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर के प्रमुख दलों आम आदमी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया-मार्क्सवादी, एनपीपी की मौजूदगी रही है। राजनीतिक दलों के साथ अलग-अलग स्तरों पर बैठकों के साथ ही भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राजनीतिक दलों के बूथ स्तरीय एजेंटों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

भारत निर्वाचन आयोग प्रक्रियात्मक सुधारों की दिशा में भी सक्रियता से काम कर रही है। आयोग द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया के विभिन्न स्टेकहोल्डर्स की सुविधा के लिए नया एकीकृत डैशबोर्ड ईसीआईनेट शुरू किया गया है। इसमें सभी हितधारकों के लिए एक ही स्थान पर सभी सेवाएं उपलब्ध हैं। ईसीआई के 40 से अधिक एप्स एक ही प्लेटफार्म पर मौजूद हैं। इसके साथ ही डुप्लीकेट इपिक नंबर की समस्या के समाधान के लिए ईसीआई द्वारा अब विशिष्ट इपिक नंबर की नई प्रणाली लागू की गई है। भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची तैयार करने और निर्वाचन कराने की पूरी प्रक्रिया में 28 हितधारकों की पहचान की है। इनमें मतदाता, निर्वाचन अधिकारी, राजनीतिक दल, उम्मीदवार एवं लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, 1951 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम 1960 और निर्वाचन संचालन नियम 1961 और भारत निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों पर आधारित अन्य शामिल हैं। इन सभी हितधारकों के लिए अधिनियमों, नियमों और आयोग के निर्देशों के आधार पर प्रशिक्षण प्रस्तुतियाँ तैयार की जा रही हैं। आयोग ने निर्वाचन कार्मिकों के सशक्तिकरण के लिए भी नए कदम उठाए हैं। बीएलओ को मानक फोटो पहचान पत्र दिए जाने के साथ ही नई दिल्ली स्थित आईआईआईडीईएम में लगातार क्षमता निर्माण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसमें अब तक 3000 से अधिक बूथ स्तर पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। अगले कुछ वर्षों में एक लाख से अधिक बीएलओ पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालयों के एसएमएनओ और एमएनओ के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम भी आयोजित किए गए हैं। निर्वाचन में सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण पहलू के मद्देनजर बिहार के पुलिस अधिकारियों को भी आईआईआईडीईएम में प्रशिक्षण दिया गया है।

नई दिल्ली स्थित भारत निर्वाचन आयोग के मुख्यालय में भी कार्यों में बेहतरी और कसावट के लिए कई सुधार जारी हैं। बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली लागू करने के साथ ही वहां ई-ऑफिस का कार्यान्वयन शुरू हो चुका है। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ बेहतर समन्वय के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ आयोग नियमित बैठकें भी कर रहा है।

देश में कोरोना के अबतक 350 एक्टिव मरीज, महाराष्ट्र के ठाणे में 8, उत्तराखंड-हरियाणा में 3-3, यूपी में 1 केस मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने अस्पतालों को बेड, ऑक्सीजन, दवाइयों और वैक्सीन की पूरी व्यवस्था रखने को कहा है।

देश में कोरोना के मरीज लगातार बढ़ रहे हैं। शनिवार को महाराष्ट्र के ठाणे में 8, उत्तराखंड-हरियाणा में 3-3 और यूपी के नोएडा में एक मामला सामने आया है। ठाणे में शुक्रवार को 10 मामले सामने आए थे।

23 मई को अहमदाबाद में 20, यूपी में 4, हरियाणा में 5 और बेंगलुरु में 9 महीने का एक बच्चा कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। इस तरह देश में अब तक कोरोना के 350 एक्टिव केस हैं। 2 मौतें हो चुकी हैं।

उधर, दिल्ली सरकार ने कोविड-19 को लेकर एडवाइजरी जारी की है। सरकार ने सभी अस्पतालों को कहा है कि वे बेड, ऑक्सीजन, दवाइयों और वैक्सीन की पूरी व्यवस्था रखें।

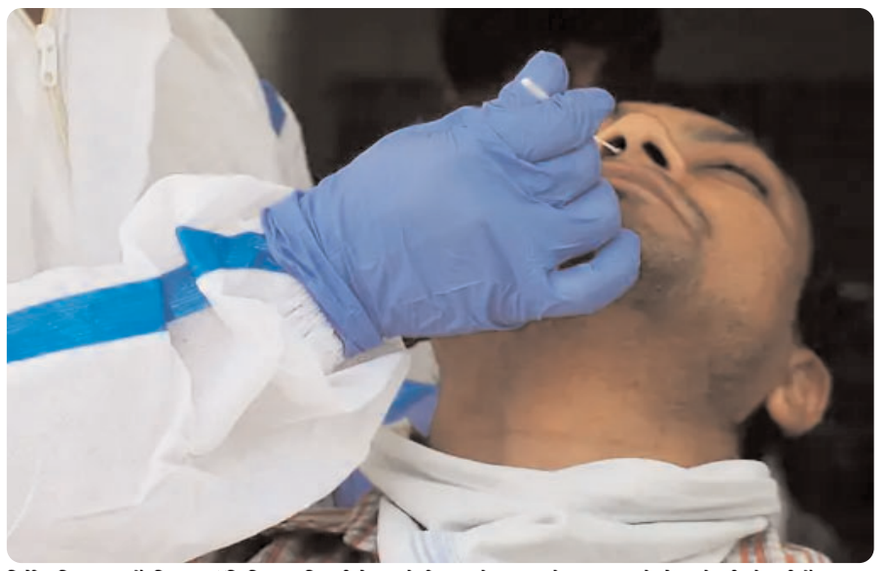

दिल्ली के सभी अस्पतालों को निर्देश दिया गया है कि हर पॉजिटिव कोविड सैंपल को जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए लोक नायक अस्पताल भेजा जाए।सभी संस्थानों को अपनी रिपोर्ट दिल्ली हेल्थ पोर्टल पर रोज अपलोड करनी है। एडवाइजरी ऐसे समय आई है जब पाकिस्तान, चीन, थाईलैंड और सिंगापुर जैसे देशों में कोरोना मामलों में बढ़ोतरी हो रही है।

भारतीय SARS-CoV-w जीनोमिक्स कंसोर्टियम के मुताबिक भारत में कोविड-19 के वेरिएंट NB.1.8.1 का एक और LF.| प्रकार के चार मामले मिले हैं। चीन और एशिया के बढ़ते मामलों में यही वैरिएंट दिख रहा है।

WHO ने इन्हें चिंताजनक नहीं माना है लेकिन निगरानी में रखे गए वेरिएंट के रूप में कैटेगराइज किया है। इन पर कोविड के खिलाफ बनी इम्यूनिटी का भी असर नहीं होता।

भारत में JN.1 वैरिएंट सबसे आम है। टेस्टिंग में आधे से ज्यादा सैंपल में यह वैरिएंट मिलता है। इसके बाद B.2 (26 प्रतिशत) और ओमिक्रॉन सबलाइनेज (20 प्रतिशत) वैरिएंट के मामले भी मिलते हैं।

गुजरात में 33 एक्टिव केस

गुजरात अब तक कुल 40 मामले आ चुके, जिनमें 33 एक्टिव हैं। दिल्ली के हेल्थ मिनिस्टर पंकज सिंह ने बताया कि गुरुवार तक राजधानी में 23 केस दर्ज किए गए हैं। उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद में 4 नए मरीज सामने आए। तीन मरीज को आइसोलेशन में रखा गया है, जबकि एक अस्पताल में भर्ती है। वहीं, हरियाणा में 48 घंटे में 5 मरीज मिले हैं। इनमें 2 महिलाएं शामिल हैं। इन सभी मरीजों की कोई इंटरनेशनल ट्रैवल हिस्ट्री नहीं है।

अमेरिका के जॉन्स हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के अनुसार JN.1 अन्य वैरिएंट्स की तुलना में ज्यादा आसानी से फैलता है, लेकिन यह बहुत गंभीर नहीं है। दुनिया के कई हिस्सों में यह सबसे आम वैरिएंट बना हुआ है।

JN.1 वैरिएंट के लक्षण कुछ दिनों से लेकर हफ्तों तक रह सकते हैं। अगर आपके लक्षण लंबे समय तक बने रहते हैं, तो हो सकता है कि आपको लंबे समय तक रहने वाला कोविड हो। यह एक ऐसी स्थिति है, जिसमें कोविड-19 के कुछ लक्षण ठीक होने के बाद भी बने रहते हैं।

घर में घुसे और परिवार के लोगों को बंधक बनाकर की डकैती

8 दिन में फतुहा लूटकांड के 7 अपराधी गिरफ्तार

पटना (एजेंसी)। फतुहा थाना क्षेत्र के सैदपुर गांव में बीते 16 मई को स्वर्ण आभूषण कारोबारी राजकुमार के घर हुए डकैती मामले का पुलिस ने सफल उद्भेदन कर लिया है. पुलिस ने डकैती की घटना में शामिल कुल 7 अपराधियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अपराधियों में लूट का आभूषण खरीदने वाला एक स्वर्ण आभूषण कारोबारी भी शामिल है. पुलिस ने गिरफ्तार अपराधियों के पास से दो देसी कट्टा, चार जिंदा कारतूस, लूट गए सोने और चांदी के जेवरात के अतिरिक्त डकैती की घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल भी बरामद किया है.

गिरफ्तार लुटेरों की पहचान फतुहा निवासी अभिषेक कुमार, रोहित कुमार, गोलू कुमार, रॉकी पांडे और नदी थानाक्षेत्र के समसपुर निवासी ध्रुव कुमार और चंदन कुमार के रूप में की गई है. वहीं, लूटपाट का आभूषण खरीदने वाले आरोपी आभूषण दुकानदार की पहचान फतुहा निवासी मनीष राज के रूप में की गई है. बताया जाता है कि बीते 16 मई को सात-आठ की संख्या में हथियारबंद अपराधियों ने हथियार का भय दिखाकर परिवार के सभी सदस्यों को बंधक बनाकर डकैती की घटना को अंजाम दिया था. इस दौरान डकैतों ने घर में रखे लगभग 5 लाख मूल्य के जेवरात, 20 से 25 हजार नगद रुपए और दो महंगे मोबाइल लूटकर मौके से फरार हो गए थे.

बाकी भी नहीं बचेंगे-एसपी विक्रम सिहाग: घटना के बाद एसएसपी के विशेष दिशा निर्देश पर फतुहा डीएसपी 1 के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था. महज 8 दिनों के भीतर टीम के सदस्यों ने वैज्ञानिक अनुसंधान कर घटना में शामिल सभी लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया. पटना के ग्रामीण एसपी कार्यालय में ग्रामीण एसपी विक्रम सिहाग ने लूट कांड का सफल उद्भेदन कर लिए जाने की जानकारी दी. उन्होंने घटना में शामिल सभी लुटेरों को भी गिरफ्तार कर लिए जाने की बात कही. ग्रामीण एसपी ने लुटेरों की गिरफ्तारी को पटना पुलिस के लिए एक बड़ी उपलब्धि करार दिया है.

गुजरात बॉर्डर पर पाकिस्तानी घुसपैठिया मारा गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सीमा में घुस रहे पाकिस्तानी घुसपैठिए को BSF ने मार गिराया है। घटना 23 मई की रात की है। शनिवार सुबह सिक्योरिटी फोर्स ने इसकी जानकारी दी। BSF ने बताया, गुजरात के बनासकांठा जिले में जवानों ने एक संदिग्ध व्यक्ति को इंटरनेशनल बॉर्डर पार करते देखा। उसे रुकने के लिए कहा गया, जब वह नहीं रुका तो गोली चलानी पड़ी।

उधर गुजरात ATS ने कच्छ से एक पाकिस्तानी जासूस सहदेव सिंह गोहिल को भी अरेस्ट किया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति ने कच्छ सीमा के संवेदनशील इलाकों की तस्वीरें पाकिस्तान भेजी थीं।

ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देने और पाकिस्तान की सच्चाई बताने के लिए भारत से अब तक 5 डेलीगेशन दुनिया के कई देशों के लिए रवाना हो चुके हैं। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व वाला डेलीगेशन शनिवार सुबह दिल्ली से रवाना हुआ। ये डेलीगेशन संयुक्त राज्य अमेरिका, पनामा, गुयाना, ब्राजील और कोलंबिया सहित पांच देशों का दौरा करेगा।

वहीं बीजेपी सांसद बैजयंत पांडा के नेतृत्व वाला डेलीगेशन शनिवार को बहरीन पहुंचा। इसमें भाजपा सांसद निशिकांत दुबे, फांगनोन कोन्याक, रेखा शर्मा, असदुद्दीन ओवैसी, सतनाम सिंह संधू सांसद, गुलाम नबी आजाद और एंबेसडर हर्ष श्रृंगला शामिल हैं। सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व वाले डेलीगेशन थोड़ी देर में रवाना होगा।

भारत ने बिछा दी पाकिस्तान की तबाही की बिसात

शाहबाज शरीफ ने जिसके सत्ता में आने पर मनाई ईद, वही बना दुश्मन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में टेरर अटैक के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च कर पाकिस्तानी सेना और आतंकवादियों को ऐसा सबक सिखाया है, जिसे वे दशकों तक याद रखेंगे. इसके बाद भारत ने अब पाकिस्तान के खिलाफ इंटरनेशनल लेवल पर डिप्लोमेटिक कैंपेन छेड़ दिया है. भारतीय सांसदों का प्रतिनिधिमंडल इन दिनों पूरी दुनिया के दौरे पर हैं, ताकि पाकिस्तान के वहशी चेहरे को पूरी तरह से बेनकाब कर उसकी असलियत के बारे में सबको बताया जा सके. पहलगाम टेरर अटैक के तुरंत बाद भारत ने सिंधु जल समझौते को अनिश्चति काल तक के लिए निलंबित कर इस्लामाबाद को पहली बड़ी चोट दी थी. इसके बाद ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकवादियों के कैंप को तबाह करने के साथ ही पाकिस्तानी फौज के एयरबेस को टारगेट कर सीधा और स्पष्ट संदेश दे दिया था. अब भारत ने कूटनीतिक स्तर पर एक

और गहरी चाल चली है, जिससे पाकिस्तान आर्थिक तौर पर तबाही के कगार पर पहुंच सकता है. भारत ने ईरान और अफगानिस्तान के साथ मिलकर नया ट्रेड फ्रंट बनाने की प्लानिंग पर काम करना शुरू कर दिया है. दिलचस्प बात यह है कि इसमें नई दिल्ली को अफगानिस्तान की तालिबान सरकार का भी पूरा साथ मिल रहा है.

अगस्त 2021 की बात है जब तकरीबन दो दशक की लंबी अवधि के बाद विदेशी फौज ने अफगानिस्तान को उसकी हालत पर छोड़ कर वहां से रवाना हो गई थी. इसके बाद तालिबान ने काबुल पर कब्जा कर लिया और अफगानिस्तान में एक बार फिर से उसका राज हो गया. काबुल में तालिबान की वापसी पर पाकिस्तान के नेताओं और फौज ने ईद की तरह का जश्न मनाया था. अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को बधाई देने वालों में पाकिस्तान चुनिंदा पहले देशों में से एक था. पड़ोसी देश को यकीन था कि अब तालिबान का इस्तेमाल भारत के खिलाफ किया जा सकेगा, क्योंकि 9/11 घटना के बाद भारत पश्चिमी ताकतों के समर्थन में रहा था. हामिद करजई से लेकर अशरफ गनी तक की सरकार को भारत ने अपना सपोर्ट दिया था. साल 2001 में तालिबान सरकार के पतन के बाद भारत ने अफगानिस्तान में डेवलपमेंट का काम भी किया था. इन सबको देखते हुए पाकिस्तान को भारत के खिलाफ तालिबान के फुल सपोर्ट की उम्मीद थी. हालांकि, पाकिस्तान की उम्मीदों के उलट घटनाक्रम हुए. यहां तक कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान सीमा में घुसकर एयर स्ट्राइक करने का दावा भी किया. इससे दोनों देशों के रिश्ते कफी तल्ख हो गए. तालिबान सरकार की पाकिस्तान से दूरियां बढ़ गईं. अब तालिबान भारत के समर्थन से नई प्लानिंग कर रहा है.

तेजप्रताप यादव अपनी गर्लफ्रेंड अनुष्का यादव से शादी क्यों नहीं कर सकते?

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेजस्वी यादव के बड़े भाई और राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजप्रताप यादव एक बार फिर सुर्खियों में हैं. इस बार वजह है उनकी गर्लफ्रेंड अनुष्का यादव क्योंकि उन्होंने एक सोशल मीडिया पर उनको लेकर एक पोस्ट किया था. तेजप्रताप यादव की यह पोस्ट देखते ही देखते सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो गया था. वहीं तेजप्रताप यादव ने अब इस पोस्ट को डिलीट कर दिया है. हालांकि, कुछ देर बाद उन्होंने फिर से फेसबुक पर इसे पोस्ट कर दिया.

तेजप्रातप यादव ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया था कि उनका और अनुष्का यादव का प्यार पिछले 12 साल से चल रहा है. पर तेजप्रताप यादव चाहकर भी उनके साथ शादी नहीं कर सकते हैं और इसके पीछे वजह है आईपीसी की धारा 494. अब आप कहेंगे दो प्यार करने वाले लोगों को कानून शादी करने से कैसे रोक सकता है.

तेजप्रताप यादव ने पोस्ट में लिखा था कि मैं तेज प्रताप यादव और मेरे साथ इस तस्वीर में जो दिख रही हैं उनका नाम अनुष्का यादव है. हम दोनों पिछले 12 सालों से एक-दूसरे को जानते हैं और प्यार भी करते हैं. हमलोग पिछले 12 सालों से एक रिलेशनशिप में रह रहे हैं. तेज प्रताप ने आगे लिखा कि वह काफी समय से यह बात सबके सामने रखना चाहते थे, लेकिन उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि कैसे कहें. उन्होंने कहा कि आज उन्होंने हिम्मत करके फेसबुक के माध्यम से अपने दिल की बात साझा करने का फैसला किया है.

3,500 स्क्रीन्स पर रिलीज को तैयार 'द ज्ञानवापी फाइल्स'

असली कहानी को पर्दे पर दर्शाएंगे विजय राज, बनेंगे दर्जी

उदयपुर(एजेंसी)। राजस्थान के उदयपुर में दर्जी कन्हैयालाल साहू की बेरहमी से हुई हत्या ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था. अब इसी दिल दहला देने वाली सच्ची घटना पर आधारित फिल्म 'द ज्ञानवापी फाइल्स - ए टेलर मर्डर स्टोरी' बड़े पर्दे पर दिखाई जाएगी. यह फिल्म 27 जून को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी. फिल्म का मकसद इस दर्दनाक घटना को लोगों तक पहुंचाना है, जिससे समाज को गहरा संदेश मिल सके. फिल्म निर्माता अमित जानी ने फिल्म पर काफी मेहनत की है. उन्होंने उदयपुर के सांसद मन्नालाल रावत को फिल्म के ट्रेलर दिखाया और फिल्म के लिए समर्थन मांगा.

'द ज्ञानवापी फाइल्स- ए टेलर मर्डर स्टोरी' में कन्हैयालाल का किरदार जाने-माने अभिनेता विजय राज निभा रहे हैं. बता दे किं वो 'धमाल', 'डेढ़ इश्किया', 'वेलकम' और 'गंगूबाई काठियावाड़ी' जैसी फिल्मों में अपने दमदार किरदार के लिए जाने जाते हैं. फिल्म का निर्देशन भरत एस. श्रीनाते ने किया है, जबकि इसकी कहानी जयंत सिन्हा ने लिखी है. फिल्म न सिर्फ एक आम नागरिक की निर्मम हत्या को सामने लाएगी, बल्कि उस मानसिकता पर भी सवाल उठाएगी जिसने पूरे देश को हिला दिया था.

फिल्म को लेकर कन्हैयालाल के बेटे यश साहू ने बताया कि फिल्ममेकर अमित जानी ने उनसे उनके पिता पर फिल्म बनाने की इजाजत ली थी. फिल्म के निर्माताओं ने वादा किया है कि फिल्म की कमाई का कुछ हिस्सा उनके परिवार को दिया जाएगा.

सतर्क रहें! समुद्र में गिरा जहरीला ईंधन, जनता को कंटेनरों से दूर रहने की सलाह, केरल में अरब सागर से उठा खतरा

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) ने शनिवार को कहा कि तेल समेत खतरनाक सामग्री केरल तट से दूर अरब सागर में गिर गई है और आम लोग अगर वहां जाएं तो कंटेनरों को न छुएं. केएसडीएमए के सदस्य सचिव शेखर कुरियाकोस ने संवाददाताओं के साथ साझा किए गए एक 'वॉयस नोट' में कहा कि समुद्र में खतरनाक सामग्री के गिरने की सूचना तट रक्षक बल से मिली है. उन्होंने कहा, "यह संभावना है कि माल, जिसमें कंटेनर और तेल शामिल हैं, किनारे पर बहकर आ सकता है. यदि जनता को ऐसी कोई सामग्री दिखाई दे, तो उसे उसके पास नहीं जाना चाहिए, न ही उसे छूना चाहिए, और तुरंत पुलिस को सूचित करना चाहिए." कुरियाकोस ने यह भी कहा कि तट रक्षक ने

पुष्टि की है कि जहाज पर मरीन गैसऑयल (एमजीओ) और अति निम्न सल्फर ईंधन तेल (वीएलएसएफओ) था.

समुद्र में तेल गिरने की घटना समुद्री पर्यावरण और मानव जीवन दोनों के लिए बेहद हानिकारक होती है. इसके प्रमुख नुकसान निम्नलिखित हैं।

नीतीश कुमार नीति आयोग की बैठक में नहीं आए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में शनिवार को नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 10वीं बैठक हुई. इसमें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की गैर-मौजूदगी चर्चा का विषय रही. इस पर नीतीश ने अपनी प्रतिक्रिया भी दी है. नीति आयोग की बैठक में शामिल न होने के सवाल पर नीतीश कुमार ने कहा, "नीति आयोग की बैठक के लिए नहीं आए हैं. पीएम और एनडीए के मुख्यमंत्रियों की बैठक में भाग लेने आए हैं. बैठक का समय थोड़ा बढ़ा दिया गया है. उसी में भाग लेंगे."

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा, "बिहार में भारत सरकार के समर्थन से जो विकास का काम लगातार हो रहा है, उसके लिए हमारे मुख्यमंत्री पीएम के साथ बैठक में उन्हें धन्यवाद देंगे. बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में जो 'जल-जीवन-हरियाली अभियान' चल रहा है, उसकी चर्चा

करेंगे."

यह पहली बार नहीं है जब नीतीश कुमार नीति आयोग की बैठक में शामिल नहीं हुए हैं. पूर्व में भी कई मौकों पर वह ऐसा कर चुके हैं. इस समय उनका शामिल न होना इसलिए ज्यादा हैरान कर रहा है क्योंकि वह केंद्र की भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार का हिस्सा हैं. वर्तमान समय में उनके रिश्ते भी भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के साथ अच्छे हैं.

सिंधु जल संधि पर फिर से होगी बातचीत, भारत ने साफ कर दिया अपना स्टैंड!

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय ने संसद की एक समिति से कहा है कि सिंधु जल संधि को स्थगित करने का भारत का फैसला पाकिस्तान द्वारा समझौते को दिशा देने वाले दोस्ती और सद्भावना जैसे सिद्धांतों के उल्लंघन का स्वाभाविक नतीजा है. आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी. सूत्रों के मुताबिक, मंत्रालय ने समिति से कहा है कि इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन और ग्लेशियर के पिघलने सहित जमीनी हालात में आए बदलावों के कारण संधि की शर्तों पर फिर से बातचीत करना जरूरी हो गया है.

सूत्रों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय समुदाय को पहलगाम हमले में पाकिस्तान की भूमिका और आतंकवाद के खिलाफ भारत के कड़े रुख से अवगत कराने के लिए 33 देशों की राजधानियों का दौरा कर रहे संसदीय प्रतिनिधिमंडल भी सिंधु जल संधि को स्थगित करने के नई दिल्ली के फैसले को जायज ठहराने के लिए यही तर्क देंगे.

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने अपनी मीडिया ब्रीफिंग में कहा था कि 1960 की सिंधु जल संधि की प्रस्तावना में स्पष्ट किया गया है कि यह संधि 'सद्भावना और मित्रता की भावना' पर आधारित है. उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान ने इन सभी सिद्धांतों का प्रभावी रूप से उल्लंघन किया है.

केएल राहुल को लीडरशिप वाली भूमिका नहीं दिये जाने की अजीत अगरकर ने बताई वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केएल राहुल टेस्ट में भारत की कप्तानी कर चुके हैं, लेकिन फिर भी उन्हें इंग्लैंड सीरीज के लिए कप्तानी या उपकप्तानी की जिम्मेदारी नहीं दी गई है। रोहित शर्मा के टेस्ट कप्तानी छोड़ने के बाद सबसे बड़ा सवाल ये था भारत का अगला कप्तान कौन होगा। शुभमन गिल, केएल राहुल, जसप्रीत बुमराह, ऋषभ पंत ये सभी नाम फैंस के मन में थे। लेकिन अंत में सेलेक्टर्स ने गिल पर भरोसा जताया वहीं उपकप्तानी की जिम्मेदारी ऋषभ पंत को दी गई। 24 मई को जब इंग्लैंड दौरे के लिए टीम इंडिया का ऐलान किया गया उसके बाद चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर से पूछा गया कि उन्होंने इंग्लैंड सीरीज के लिए केएल राहुल या जसप्रीत बुमराह को क्यों नहीं लीडरशिप रोल के लिए चुना।

अजीत अगरकर ने केएल राहुल को लेकर कहा कि वह कप्तान या उपकप्तान बनने के दावेदार नहीं थे। उन्होंने कुछ समय पहले कप्तानी की थी। वह कमाल का खिलाड़ी है और उम्मीद है कि उनके लिए यह एक बड़ी सीरीज होगी। अगरकर के इस बयान से ये साफ हो गया कि वह नहीं चाहते हैं कि राहुल पर कप्तानी की वजह से किसी भी तरह का कोई दबाव हो। इस वजह से उन्हें किसी भी तरह की कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी नहीं दी गई है। वह चाहते हैं कि राहुल सिर्फ अपने बल्लेबाजी पर फोकस करें और इंग्लैंड सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करें।

अगरकर ने बुमराह को लेकर कहा कि वो हमारे लिए एक खिलाड़ी के रूप में ज्यादा अहम है। एक बार जब आप लोगों को संभालने लगते हैं तो आपको बहुत ज्यादा कोशिश करनी होती है। मैनेजमेंट ने इसको लेकर उनसे बात की थी। वह इस बात से सहमत हैं। उन्हें पता है कि उनका शरीर कितना फिट है। उनके साथ वर्कलोड मैनेजमेंट का मसला रहता है। सेलेक्टर के बयान से यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि बुमराह आगामी इंग्लैंड दौरे पर पांचों टेस्ट मैच में खेलते हुए नहीं दिखेंगे।

केएल राहुल और जसप्रीत बुमराह के कप्तानी रिकॉर्ड की बात करें तो वहां उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिले हैं। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए जब टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई थी वहां बुमराह उपकप्तान थे। जब रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर दो टेस्ट मैचों में नहीं खेले थे तब उनकी गैरमौजूदगी में बुमराह ने ही भारत की कप्तानी की थी। इससे पहले बुमराह ने 2022 में इंग्लैंड दौरे पर एक टेस्ट में कमान संभाली थी। बुमराह की कप्तानी में भारत ने तीन टेस्ट मैच खेले जिसमें से उन्हें एक में जीत मिली है। वहीं राहुल ने भी 3 टेस्ट मैचों में टीम इंडिया की कप्तानी की है जिसमें से भारत को दो में जीत मिली है।

एकदिवसीय क्रिकेट का महत्व बना रहेगा-स्टीव वॉ

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता के बाद पिछले कुछ साल में एक दिवसीय क्रिकेट का आकर्षण घटा है। ऐसे में एकदिवसीय क्रिकेट के भविष्य पर भी सवाल उठने लगे है। जहां कई दिग्गजों का मानना है की आने वाले समय में एकदिवसीय क्रिकेट प्रासंगिक नहीं रहेगा। वहीं दूसरी ओर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव वॉ का मानना है कि एकदिवसीय प्रारुप का महत्व आगे भी बना रहेगा। उन्होंने कहा कि एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट के लिए ओलंपिक के समान है। वॉ ने माना है कि छोटे प्रारूपों के बढ़ते दबाव से इसपर प्रभाव पड़ा है लेकिन इसके बाद भी 2023 विश्व कप भारी तादाद में लोगों ने देखा था। उन्होंने कहा कि हर किसी को लगता है कि एकदिवसीय क्रिकेट नहीं बचेगा पर सच ये है कि इसकी रेटिंग काफी ऊंची है और उसे लोग पसंद करते हैं। विश्व कप के बाद फिर इसमें रूचि कम हो जाती है और फिर बढ़ती है। यही हालात बने रहते हैं। वॉ ने कहा कि हम इस समय तीनों प्रारूपों में जैसे तैसे संतुलन देख रहे हैं। फिर टी10 का भी दबाव है जिससे चार प्रारूप हो सकते हैं। पता नहीं कैसे चलेगा पर अभी तो चल रहा है।

सर्जरी कराएंगे रोहित शर्मा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा ने हाल ही में टेस्ट करियर को अलविदा कहा है कि वो पहले ही टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं। ऐसे में रोहित अब केवल वनडे मैच खेलते हुए दिखेंगे। रोहित मौजूदा समय में आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस के लिए खेल रहे हैं, जिसमें वो 11 मैचों में 300 रन बना चुके हैं। अब एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार आईपीएल 2025 खत्म होने के बाद रोहित बाईं हैमस्ट्रिंग की सर्जरी करवा सकते हैं। चूंकि रोहित अब सिर्फ वनडे मैच खेलेंगे और टीम इंडिया की अगली वनडे सीरीज बांग्लादेश के खिलाफ है, जो 17 अगस्त से शुरू होगी।

आईपीएल 2025 का फाइनल मुकाबला 3 जून को खेला जाएगा और उसके बाद रोहित को सर्जरी से उबरने के लिए करीब ढाई महीने का समय मिल सकता है। क्रिकब्लॉगर के हवाले से एक सूत्र ने बताया कि, रोहित शर्मा अगर 2027 वर्ल्ड कप में खेलना चाहते हैं तो ये उनकी सर्जरी के लिए सबसे सही समय है। रोहित कप्तान होने की जिम्मेदारी के कारण इस चोट को कई सालों तक ढो रहे हैं लेकिन रिटायरमेंट के बाद शेड्यूल उन्हें सर्जरी से उबरने में मदद करेगा। इस मामले पर बीसीसीआई या रोहित शर्मा की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। फिलहाल सवाल ये है कि रोहित सर्जरी कराने में देरी क्यों कर रहे हैं? तो सूत्र के हवाले से बताया गया है कि तीनों फॉर्मेट में टीम इंडिया की कप्तानी के कारण उनके कंधों पर जिम्मेदारियों का बोझ था।

चूंकि अब उन्हें केवल वनडे फॉर्मेट पर ध्यान लगाना होगा, ऐसे में आईपीएल 2025 के बाद मिलने वाले ब्रेक का रोहित फायदा उठा सकते हैं।

पीवी सिंधु पहले ही दौर में हारकर हुई बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेलिशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के एचएस प्रणय और किदाम्बी श्रीकांत समेत पुरुष खिलाड़ियों ने शानदार शुरुआत की है। लेकिन दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु पहले दौर में हारकर बाहर हो गई। प्रणय ने जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो को 19-21,21-17, 21-16 से हराया।

अब उनका सामना जापान के युशी तनाका से होगा। वहीं सतीश करूणाकरन ने चीनी ताइपे के तीसरी वरीयता प्राप्त चोउ तियेन चेन को 21-13, 21-14 से मात दी। अब वह फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव से खेलेंगे। भारत के आयुष शेट्टी ने कनाडा के ब्रायन यांग को 20-22, 21-10, 21-8 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। बाद में दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत ने चीन के छठी रैंकिंग वाले लू गुआंग को 21-21, 13-21, 21-11 से हराया। सिंधु का खराब फॉर्म हालांकि, जारी रहा और वह इस सुपर 500 टूर्नामेंट के पहले दौर में वियतनाम की एंगुयेन थुए लिन्ह से 11-21, 21-14, 15-21 से हार गईं। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने इंडोनेशिया के अदनान मौलाना और इंडाह काहया सारी जमील को 21-18, 15-21, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया है।

सूर्यकुमार यादव ऑरेंज कैप की रेस में यशस्वी जायसवाल से निकले आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने आईपीएल 2025 के 63वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हुए मैच में अपनी टीम के लिए अर्धशतकीय पारी खेली। सूर्या ने बैटिंग के लिए बेहद मुश्किल पिच पर काफी कठिन परिस्थिति में मुंबई के लिए ऐसी पारी खेलकर टीम के स्कोर को सम्मानजनक स्थिति में पहुंचाने का काम किया। यही नहीं सूर्या अपनी इस पारी के दम पर ऑरेंज कैप की रेस में यशस्वी जायसवाल से आगे निकल गए।

सूर्या ने दिल्ली के खिलाफ खेलेत हुए अपना अर्धशतक 36 गेंदों पर मुस्तफिजुर रहमान की गेंद पर छक्का लगाकर पूरा किया। इस अर्धशतकीय पारी के दम पर वो इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए और यशस्वी जायसवाल को पीछे छोड़ दिया। इस मैच में उन्होंने 43 गेंदों पर 73 रन की नाबाद पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 4 छक्के और 7 चौके लगाए।

सूर्या ने इस सीजन में अब तक 13 मैचों में 583 रन 72.88 की औसतसे बनाए हैं। जबकि यशस्वी जायसवाल ने 14 मैचों में 559 रन बनाए थे। 583 रन के साथ अब सूर्या ऑरेंज कैप की रेस में तीसरे नंबर पर आ गए जबकि यशस्वी चौथे नंबर पर खिसक गए। हालांकि, पहले नंबर पर अब बी 12 मैचों में 617 रन बनाकर साई सुदर्शन पहले जबकि 12 मैचों में 601 रन बनाकर दूसरे नंबर पर मौजूद हैं।

छाता लेकर अवॉर्ड लेने पहुंचे सूर्यकुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस की टीम दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हुए मैच में जीत के साथ ही आईपीएल प्लेऑफ में पहुंच गयी। इस मैच में मुम्बई की जीत में बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव की अहम भूमिका रही।

इसके लिए सूर्यकुमार को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया पर मैच के बाद हुई तेज बारिश के कारण सूर्या को अवार्ड लेने छाता लेकर मंच पर जाना पड़ा हैं राहत की बात ये रही कि मैच के दौरान बारिश नहीं हुई। मैच के बाद हुई बारिश के कारण कप्तान हार्दिक पांड्या को इंटरव्यू को बीच में ही छोड़कर भागना पड़ा। वहीं सूर्यकुमार पीछे नहीं हटे और छाता लेकर अवॉर्ड लेने पहुंच गये।इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने शुरुआत में ही तीन विकेट खो दिये। तब तक टीम के 58 रन ही बने थे। इसके बाद सूर्यकुमार यादव ने एक छोर को संभाला और बाकी बल्लेबाजों के साथ मिलकर स्कोर बोर्ड को आगे बढ़ाया। सूर्या ने 19वें ओवर में 27 और 20वें ओवर में 21 रन जोड़कर मुंबई को 180 के स्कोर पर ला खड़ा किया। वहीं 181 के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की भी शुरुआत खराब रही। कप्तान फाफ डुप्लेसी और केएल राहुल जैसे अनुभवी बल्लेबाज असफल रहे।

पाकिस्तानी क्रिकेटर ने भारत के खिलाफ उगला जहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का असर दोनों देशों के लोगों पर भी दिखा था। भारतीय सेना के कड़े रुख के बाद पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी भारत के खिलाफ जहर उगलते हुए नजर आए थे। अब पाकिस्तान का एक अन्य पूर्व क्रिकेटर भी भड़काऊ भाषण देने के कारण चर्चा में आ गया है। दरअसल, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि भारतीय टीम एशिया कप 2025 में नहीं खेलेगी। हालांकि, बीसीसीआई ने इन सभी दावों को खारिज कर दिया है। इस बीच तनवीर

अहमद के बीसीसीआई पर बयान ने बवाल मचा दिया है। तनवीर अहमद ने जहर उगलते हुए कहा कि, बीसीसीआई ने एशिया कप खेलने से मना कर दिया है। बीसीसीआई मतलब मोदी। बीसीसीआई रोट खाने, पानी पीने के लिए भी जैसे मोदी से पूछता है, खासतौर पर पाकिस्तान के मामले में। तनवीर अहमद ने आगे कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पहले भी बड़े फैसले लेता रहा है और अब भी उसे ऐसा ही करना चाहिए। उन्होंने कहा कि, ये टूर्नामेंट खेलने से किसी बोर्ड ने मना नहीं किया है।

सिर्फ भारत में मना किया है और जो टीम मना करती है, उसे मेरी नजर में उठाकर किनारे कर देना चाहिए, ठीक वैसे जैसे दूध से मक्खी को निकाल कर बाहर कर दिया जाता है।

कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने इस खिलाड़ी के सिर फोड़ा सीएसके की हार का ठीकरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल की शुरुआत से ही चेन्नई सुपर किंग्स ने अपनी निरंतरता और उत्कृष्टता से सभी को प्रभावित किया है। पांच खिताब, कई प्लेऑफ और सबसे बड़ी बात ये कि जिन सीजनों में चेन्नई सुपर किंग्स ने हिस्सा लिया उनमें कभी भी लगातार दो साल तक वे फाइनल में पहुंचने से चूके नहीं। हालांकि, 2025 का सीजन इस ने एक अप्रत्याशित मोड़ लेकर आया, जब सीएसके न केवल प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई। बल्कि पहली बार पॉइंट्स टेबल में सबसे निचले पायदान पर पहुंचने का खतरा मंडराने लगा।

2024 की निराशा 2025 में भी जारी रही। दिल्ली में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सीएसकेको मिला 6 विकेट की हार के बाद, मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने अपनी नाराजगी छिपाई नहीं। पोस्ट-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि, हमारा इस सीजन का प्रदर्शन ऐसा ही रहा है, जैसा कि तालिका में हमारी स्थिति दर्शाती है। हम इससे बच नहीं सकते। लेकिन हम बेहतर प्रदर्सन करना चाहते हैं जो हमारी टीम की क्षमता को दर्शाए।

प्लेऑफ की दौड़ से दो हफ्ते पहले ही बाहर होने के बाद सीएसके केबाकी मैच

केवल औपचारिकता बनकर रह गए। इसके बावजूद, फ्रेंचाइजी ने भविष्य को ध्यान में रखते हुए युवा खिलाड़ियों को मौका देना शुरू किया। फ्लेमिंग ने जोर देकर कहा कि भले ही प्लेऑफ की संभावना खत्म हो गई हो लेकिन टीम का फोकस और मनोबल कम नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि, हम निचले स्थान पर रहना पसंद नहीं करते लेकिन ये हमारी प्रेरणा नहीं है। हम अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं और सीजन के अंत में कम से कम एक बेहतरीन प्रदर्शन के साथ खत्म करना चाहते हैं।

सीएसके की इस सीजन की सबसे बड़ी समस्या उनकी बल्लेबाजी रही है। शुरुआती मैचों में पावरप्ले में रन बनाने में नाकामी और पूरे इनिंग में इरादे की कमी ने टीम को मुश्किल में डाला। शुरुआती मैचोंमें पावरप्ले में रन बनाने में नाकामी और पूरे इनिंग में इरादे की कमी ने टीम को मुश्किल में डाला। हाल के मैचों में युवा खिलाड़ियों के शामिल होने से बल्लेबाजी में कुछ तेजी आई, लेकिन फिर भी बल्लेबाजी क्रम में कई खामियां साफ दिखाई देती हैं। आयुष म्हात्रे और डेवाल्ड ब्रेविस जैसे युवा खिलाड़ियों ने भविष्य के लिए उम्मीद जगाई है लेकिन उन्हें बाकी बल्लेबाजों से ज्यादा समर्थन की जरूरत है। बल्लेबाजी के अलावा, सीएसके की गेंदबाजी भी इससीजन में अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरी। प्रमुख तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना, जो पिछले कुछ सालों में टीम के लिए अहम रहे, इस बार 10 से ज्यादा की इकॉनमी रेट के साथ संघर्ष करते दिखे। उनकी नई गेंदबाजी एक्शन और नियंत्रण में कमी ने उन्हें मुश्किल में डाला। फ्लेमिंग ने हालांकि, पाथिराना की आलोचना करने से परहेज किया और कहा कि, वह उस स्तर पर नहीं हैं जहां हम या वह चाहते हैं।

इंग्लैंड दौरे पर पांचों टेस्ट मैच नहीं खेलेगा ये घातक खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी। दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट मुकाबला 20 जून से खेला जाएगा। अब इंग्लैंड दौरे के लिए टीम इंडिया का ऐलान पहले ही कर दिया गया है। इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में कप्तानी की जिम्मेदारी शुभमन गिल को मिली है और उपकप्तान विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को बनाया गया है। गिल के अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी कप्तानी के मजबूत दावेदार थे। लेकिन अंत में गिल ने बाजी मार ली। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित की गैरमौजूदगी में बुमराह ने कप्तानी की थी, तब उन्होंने पांचों टेस्ट मैच खेले थे और आखिरी टेस्ट मैच में वह चोटिल भी हो गए थे। अब उनकी फिटनेस पर चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने बड़ा बयान दिया है।

भारतीय टीम के चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने माना कि स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की पूरी सीरीज के लिए उपलब्धता चिंता का विषय है। अगरकर ने कहा कि जहां तक फिजियो और डॉक्टरों ने हमें बताया है, मुझे नहीं लगता कि वह सभी पांच टेस्ट के लिए उपलब्ध होंगे। चाहे वह चार या तीन (टेस्ट) हों, हम देखेंगे कि सीरीज कैसी जाती है और उसका शरीर वर्कलोड को कैसे लेता है। यह कहने की जरूरत नहीं है कि वह कितने अहम हैं। इसलिए भले ही वह तीन या फिर चार टेस्ट के लिए फिट हो, वह हमें कुछ टेस्ट मैच में जीत दिलाएगा। मैं खुश हूं कि वह टीम का हिस्सा है। अगरकर के बयान से साफ है कि वह इंग्लैंड दौरे पर पांचों टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किया था शानदार प्रदर्शन

जसप्रीत बुमराह भारतीय टीम के लिए विदेशी दौरों पर पिछले कुछ समय से बहुत ही अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उनके बल्ले से खूब रन निकल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उन्होंने 5 मैचों में कुल 32 विकेट हासिल किए थे और अपनी कप्तानी में ही टीम इंडिया को पहले टेस्ट मैच में जीत दिलाई थी।

जसप्रीत बुमराह की यॉर्कर गेंद का कोई भी सानी नहीं है। अगर वह अपनी लय में हैं, तो चंद गेंदों में ही मैच का रुख बदल देते हैं। उन्होंने भारतीय टीम के लिए साल 2018 में टेस्ट में डेब्यू किया था। इसके बाद से अभी तक 45 टेस्ट मैचों में कुल 205 विकेट हासिल किए हैं।

आबकारी विभाग की आंख में पट्टी डालकर एमआरपी से ज्यादा दामों में बेची जा रही शराब

मदिरालयों में वसूला जा रहा मनमाना दाम

आमजन की जेब में डाका डाल रहे शराब कारोबारी, अंकुश लगाने में नाकाम होता विभागीय अमला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में इन दिनों शराब कारोबारियों के हौंसले बुलंदी पर है जिसके कारण लाइसेंसी शराब की दुकानों के ठेकेदारों को नियम कानून या फिर आबकारी अमले का कोई भय नहीं रहा और शराब दुकानों के ठेकेदार सभी नियमों को शिथिल करते हुए अब अपने नियम और शर्तों पर शराब का कारोबार कर रहे हैं. जिनमें निर्धारित मूल्य से अधिक पर शराब की बिक्री, अवैध अहाता संचालन, शराब दुकानों में रेट सूची चस्पा नहीं करना, दुकान बंद होने के निर्धारित समय के अतिरिक्त देर रात तक शराब की अवैध बिक्री और दुकान के सामने गुर्गे पाल के रखना ताकि कोई व्यक्ति ओवर रेटिंग पर जबाब सवाल करे तो उसकी बेदम पिटाई करना जिसके कई उदाहरण आए दिन शराब दुकानों के सामने होने वाली मारपीट के वायरल वीडियो के माध्यम से देख भी चुके हैं।वहीं आबकारी विभाग की कार्रवाई की बात करें तो कार्यवाही बिल्कुल शून्य है यही कारण है कि शराब ठेकेदारों के हौंसले बुलंद हैं आबकारी विभाग का शराब ठेकेदारों पर इतना मेहरबान होना शराब पीने वालों पर अतिरिक्त बोझ बन रहा है यहीं कारण है कि शराब की ओवर रेटिंग सहित नियमों को ताक पर रख कर बेचीं जा रही शराब का मुद्दा अब रीवा कलेक्टर सहित भोपाल वल्लभ भवन प्रमुख सचिव म0प्र0 शासन वाणिज्यिक कर विभाग, आबकारी आयुक्त ग्वालियर, पुलिस अधीक्षक रींवा,उपायुक्त आबकारी रीवा संभागीय उड़नदस्ता, व सहायक आयुक्त आबकारी रींवा, तक पहुंच चुका है

बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले ही आशीष सिंह बघेल नामक शिकायतकर्ता द्वारा रीवा कलेक्टर सहित तमाम संबंधित विभागों में शिकायती आवेदन दिया गया है जिसमे उन्होंने आबकारी अधिकारियों की मनमानी और शराब कारोबारियों द्वारा नियम विरुद्ध ढंग से निर्धारित मूल्य से अधिक पर शराब बिक्री, शराब दुकानों के बगल से संचालित अवैध आहातों सहित पाँच बिन्दुओं पर शिकायती आवेदन दिया है साथ ही संबंधित शराब कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई की माँग की है। शिकायतकर्ता ने शिकायत पत्र में बताया है कि वर्ष 2025-26 हेतु म0प्र0 शासन द्वारा सभी प्रकार के शराबों का न्यूनतम् एवं अधिकतम् मूल्य निर्धारित किया गया हैं परंतु रींवा शहर में संचालित सभी शराब दुकानों में शराबों के निर्धारित अधिकतम् मूल्य से भी अधिक मूल्य पर शराबों का विक्रय कर ग्राहकों को लूटा जा रहा हैं एवं रात्रि में दुकान बंद हो जाने के उपरांत भी नियम विरूद्ध तरीके से शराब का विक्रय किया जा रहा है शिकायतकर्ता ने बताया कि शहर के किसी भी शराब दुकान में शराब विकय का रेट सूची नहीं लगाया गया हैं। उक्त लायसेंसीयों को कहीं न कही डर हैं, कि शासन द्वारा निर्धारित रेट सूची लग जाने से ग्राहक जागरूक हो जायेगें और उनका अवैध कमाई पर अंकुश लग जायेगा।

किस तरह ग्राहकों को लगाया जा रहा चूना: आबकारी नियमावली अनुसार सभी शराब दुकानों पर रेट लिस्ट की सूची चस्पा होना अनिवार्य है लेकिन शराब दुकानों पर रेट सूची नहीं लगाई जाती इसी बात का फायदा उठाकर ग्राहकों से निर्धारित मूल्य से 20 रुपए से 100 रुपए तक अधिक मूल्य वसूल किया जाता है वहीं ग्राहक द्वारा इस चीज़ का विरोध किए जाने पर शराब विक्रेताओं द्वारा दुर्व्यवहार किया जाता है

नियम विरुद्ध तरीके से संचालित हो रहे आहाते : वर्ष 2025-26 के आबकारी राजपत्र में शासन द्वारा तय किया गया हैं, कि किसी भी शराब दुकान में अहाता संचालित नहीं किया जायेगा, परंतु रींवा शहर के शराब ठेकेदारों के लिये यह नियम लागू नहीं होता, रींवा शहर के शराब ठेकेदारों द्वारा दुकानों के सामने निरंतर अवैध अहाता संचालित कर शासन-प्रशासन को खुली चुनौती दी जा रही है

मनमानी रेट पर शराब बिकने से जिले में अवैध तस्करी बढ़ने की आशंका: रीवा जिले के आस-पास उ0प्र0 की सीमा, सतना जिले की सीमा, सीधी जिले की सीमा एवं शहडोल जिले की सीमा लगी हुई हैं। जहां शराबों का मूल्य शासन द्वारा निर्धारित मूल्य के बराबर है। कही न कही रीवा शहर में अधिक मूल्य पर शराब बिकने से अवैध शराब की तस्करी भी बढ़ सकती हैं, जो आने वाले भविष्य में कहीं न कहीं गंभीर विषय बन सकता हैं। बता दे जिले में अत्यधिक मात्रा में कोरेक्स आदि गलत नशों का जाखीरा हर रोज पुलिस द्वारा पकड़कर जप्ती किया जा रहा है, इन सभी का कारण कहीं न कहीं रीवा शहर में शराबों का निर्धारित अधिकतम् मूल्य से अधिक मूल्य होने की वजह से ग्राहकों को सही दर पर मदिरा का न मिल पाना हो सकता है। जो आने वाले समय में समाज के काफी हानिकारक हो सकता हैं।

सतना जिला अस्पताल के आईसीयू का एसी एक महीने से बंद

परिजन खुद ला रहे कूलर-पंखे, मरीजों का हाल-बेहाल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में स्थित सेकेंड आईसीयू में मरीजों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। एक महीने से सेंट्रलाइज एसी खराब होने के कारण मरीजों के परिजन घर से कूलर-पंखे खरीदकर ला रहे हैं। लेकिन तेज गर्मी में ये उपकरण भी प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं। इतना ही नहीं बिजली बंद होने के बाद मरीजों एवं उनके परिजनों के पास हाथ पंखा ही एक मात्र सहारा बचता है। आईसीयू में हृदय रोगियों सहित अन्य गंभीर मरीजों को भर्ती किया जाता है। डॉक्टरों के अनुसार, एसी की अनुपलब्धता मरीजों के लिए जोखिम भरी स्थिति है। अस्पताल प्रबंधन पिछले एक माह से एसी की मरम्मत का प्रयास कर रहा है, लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हो पाया।

दूसरा कंप्रेशर भी फेल: कोविड काल में निर्मित इस ह्रष्ट में दो कंप्रेशर वाला सेंट्रलाइज एसी सिस्टम लगाया गया था। कुछ महीने पहले एक कंप्रेशर खराब हो गया और सिस्टम एक कंप्रेशर पर चल रहा था। गर्मी बढ़ने के साथ बढ़े लोड के कारण दूसरा कंप्रेशर भी फेल हो गया। अस्पताल प्रबंधन ने एक महीने पूर्व नया कंप्रेशर खरीद लिया है, लेकिन उसे लगाने की प्रक्रिया अभी तक पूरी नहीं हुई है।

सीएमएचओ डॉक्टर एल के तिवारी ने कहा है कि वे सिविल सर्जन से मेंटेनेंस में आ रही दिक्कतों के बारे में चर्चा करेंगे और जल्द ही कूलिंग सिस्टम को ठीक करवा लिया जाएगा।

फोरव्हीलर ने बाइक को मारी टक्कर, पिता-पुत्र की मौत, पत्नी गंभीर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में तेज रफ्तार फोरव्हीलर वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। [16] हादसे में दो माह के बच्चे ने मौके पर दमतोड़ दिया। जबकि पिता की अस्पताल पहुंचने पर मौत हो गई। वहीं पत्नी अभी भी जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रही है। घटना सेमरिया थाने के पटेहरा मोड़ की है। सेमरिया थाना क्षेत्र के देवरी चकदही निवासी प्रवेश कुमार अपनी पत्नी पूनम और बच्चे प्रसून के साथ बाइक से रीवा जा रहा था। जैसे ही वे सेमरिया के पटेहरा मोड़ के समीप पहुंचे तभी वहां से गुजरे फोरव्हीलर वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सहित तीनों लोग सड़क में गिर गए। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंच गई और तत्काल घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भिजवाया। जहां दो माह के बच्चे को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि दंपती को गंभीर अवस्था में संजय गांधी अस्पताल लाया गया जहां पिता प्रवेश बुनकर की भी मौत हो गई। वहीं उनकी पत्नी अभी भी जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रही है। हादसे के बाद फोरव्हीलर वाहन भी पेड़ से टकरा गया था।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा- संघ कार्य में सेवा और समर्पण सर्वोपरि

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रीवा प्रवास के दौरान संघ के विशेष अभ्यास वर्ग को संबोधित किया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को उद्बोधन देते हुए संघ कार्य में सेवा और समर्पण को सर्वोपरि बताया। संघ प्रमुख ने सुबह के सत्र में योग-प्रणायाम आदि गतिविधयों का अवलोकन कर प्रशिक्षणार्थियों का मार्गदर्शन किया। इस दौरान बताया गया कि स्वयं सेवक को समय का पाबंद और राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित होना चाहिए। रीवा के तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचे आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत शनिवार को आनंद विहार ट्रेन से वापस दिल्ली लौट गए। प्रशिक्षण सत्र में बाहर से आए वरिष्ठ संघ पदाधिकारियों ने मप्र और छत्तीसगढ़ के आरएसएस कार्यकर्ताओं को विभिन्न आयामों का प्रशिक्षण दिया। बता दें कि सरस्वती स्कूल में 12 मई से शुरू 20 दिवसीय प्रशिक्षण 2 जून तक चलेगा। इस दौरान विशेष अभ्यास वर्ग में तीन दिनों तक प्रशिक्षणार्थियों को संघ प्रमुख का मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है।

हटाए गए अवैध होर्डिंग-बैनर, दो संस्थानों पर 40 हजार का जुर्माना

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में नगर निगम व राजस्व अमले ने शनिवार को शहर के व्यवसायिक क्षेत्रों में अवैध होर्डिंग व बैनर पर बड़ी कार्रवाई की। मीडिया आउटडोर विज्ञापन नियम के तहत नगर निगम ने नियमों को उल्लंघन करते पाए जाने पर दो प्रतिष्ठानों पर 40 हजार रुपए का जुर्माना लगाया। बतादें कि अवैध विज्ञापन लगाने और नियमों के उल्लंघन के मामले में पूर्व में प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किए गए थे, जिस पर नियम पालन न करने पर यह कार्रवाई की गई। वहीं कुछ प्रतिष्ठानों ने समय सीमा की भी मांग की गई है। जिन्हें नगर निगम द्वारा निर्धारित समय में नियमों के अनुरूप अनुमति और विज्ञापन लगाने हेतु निर्देशित किया गया। इसके साथ ही शहर के व्यवसायिक क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थलों पर लगे अवैध बोर्ड और होर्डिंग को हटाया गया। निगम आयुक्त ने व्यवसायियों से अपील की है कि नियमों का पालन करें और बिना अनुमति के किसी भी प्रकार के विज्ञापन सामग्री सार्वजनिक स्थलों पर न लगाए। साथ ही, उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमों के उल्लंघन किए जाने वालों पर यह कार्यवाही सख्त रूप से निरंतर जारी रहेगी।

शादी से लौट रहे युवकों की बाइक पेड़ से टकराई, एक की मौत, दो गंभीर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में वैवाहिक कार्यक्रम से लौट रहे तीन लोग हादसे का शिकार हो गए। जिसमें से एक की मौत हो गई, जबकि दो लोगों की हालत गंभीर है। तीनों एक ही बाइक पर जा रहे थे। हादसा जिले के गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र के आमिल मोड़ के समीप हुआ। जहां तेज रफ़्तार बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। जानकारी के मुताबिक बाइक सवार राजेश, रामाधार और जितेंद्र कोल निवासी गोविंदगढ़ एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने आनंदगढ़ गए हुए थे। जहां से बाइक से वापस लौट रहे थे, इसी दौरान बाइक अनियंत्रित हो गई और आमिल मोड़ के समीप पेड़ से जा टकराई। इस हादसे में जितेंद्र की मौत हो गई, जबकि राजेश और रामाधार गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जिनका उपचार संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित परिवार ने शनिवार को रीवा में डीआईजी के पास पहुंचकर की

वाटर पार्क में परिवार के साथ मारपीट, सिक्योरिटी गार्ड्स पर लाठी-डंडों से हमला करने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा और सतना जिले की सीमा पर स्थित वेकेशन वैली वाटर पार्क में एक रेस्टोरेंट संचालक और उनके परिवार के साथ सिक्योरिटी गार्ड्स द्वारा मारपीट का मामला सामने आया हैं। पीड़ित परिवार ने शनिवार को रीवा में डीआईजी राजेश सिंह चंदेल के पास पहुंचकर पूरे मामले की शिकायत की। डीआईजी ने मामला एसपी को जांच के लिए भेज दिया है और पीड़ितों को उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

रेस्टोरेंट संचालक परिणय चौधरी और उनकी रिश्तेदार सुगंधा श्रीवास्तव ने बताया कि शुक्रवार को भतीजे सारांश जोहरी का जन्मदिन मनाने के लिए वे बेला स्थित वाटर पार्क गए थे। सभी ने एंट्री फीस देकर प्रवेश किया और नहाने से पहले सामान सुरक्षित स्थान पर रख दिया। जब कुछ देर बाद सामान देखने पहुंचे तो सारा सामान- जरूरी कागजात, मोबाइल, पैसे भीगे हुआ मिले। परिणय चौधरी की पत्नी ने जब वाटर पार्क प्रबंधन से शिकायत की, तो कहासुनी हो गई। उसी दौरान ब्लैक टी-शर्ट पहने सिक्योरिटी गार्ड्स ने डंडों से हमला कर दिया।

सुगंधा श्रीवास्तव ने बताया कि गार्ड्स ने महिलाओं और मासूम बच्चों तक को नहीं छोड़ा। सबको लाठी-डंडों से पीटा गया। जैसे-तैसे जान बचाकर भागे तो गेट पर दोबारा अभद्रता की गई।

परिवार जब रामपुर बघेलान थाने पहुंचा तो वहां मौजूद सहायक उप निरीक्षक ने कहा कि थाना प्रभारी मौजूद नहीं हैं, एफआईआर नहीं लिख सकते। इसके बाद परिजन शनिवार को दोपहर में रेस्टोरेंट संचालक की बहू, बच्चे, महिलाएं सभी डीआईजी ऑफिस पहुंचे और आपबीती सुनाई।

जब इस मामले में मीडिया द्वारा वाटर पार्क प्रबंधन से संपर्क किया गया, तो उन्होंने मारपीट के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया और उन्हें निराधार बताया।

डीआईजी ने जांच के निर्देश दिए: डीआईजी राजेश सिंह चंदेल ने कहा कि शिकायत मिली है। मामले की जांच करवाई जाएगी और दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

पीड़ित परिवार की मांग: परिवार ने मारपीट, अभद्रता और पुलिस की लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। घटना में रेस्टोरेंट संचालक, उनकी पत्नी, बेटा सारांश, छोटा भाई, उसकी पत्नी और छोटे बच्चे घायल हुए हैं। मामले को लेकर क्षेत्र में प्रशासनिक लापरवाही और निजी सुरक्षा कर्मियों की मनमानी पर भी सवाल उठ रहे हैं।

नजूल भूमि निर्वर्तन समिति की बैठक 28 को

रीवा. संभागीय नजूल भूमि निर्वर्तन समिति की बैठक 28 मई को सुबह 11.30 बजे से कमिश्नर कार्यालय में आयोजित की जा रही है। इसकी अध्यक्षता कमिश्नर बीएस जामोद करेंगे। बैठक में रीवा और सिंगरौली जिलों के प्रस्तावों पर विचार किया जाएगा। समिति में शामिल सभी अधिकारियों से बैठक में उपस्थित रहेंगे।

पॉलिटेक्निक कालेज में प्रवेश के लिए पंजीयन एक जून तक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासकीय पॉलिटेक्निक कालेज रीवा में प्रथम वर्ष में विद्यार्थियों के प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस संबंध में पॉलिटेक्निक कालेज के प्राचार्य ने बताया कि तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित समय सारणी के अनुसार 2025-26 के लिए प्रथम वर्ष में विद्यार्थियों का प्रवेश शुरू हो गया है। पॉलिटेक्नि कालेज में संचालित इलेक्ट्रॉनिक एण्ड कम्युनिकेशन, कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड मेंटीनेंस, सिविल इंजीनियरिंग एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग में प्रवेश के लिए पात्र विद्यार्थी एक जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों में च्वाइस फिलिंग 5 जून तक की जा सकती है। इसकी कॉमन मेरिट सूची 6 जून को तैयार होकर उपलब्ध होगी। इसमें शामिल विद्यार्थियों के कालेज में प्रवेश के लिए मूल दस्तावेजों का सत्यापन 10 जून से 15 जून के बीच किया जाएगा। पॉलिटेक्निक कालेज में प्रवेश के संबंध में अन्य जानकारियाँ और निर्देश वेबसाइट डीटीई डॉट एमपी ऑनलाइन डॉट जीओभी डॉट इन पर उपलब्ध है। कार्यालयीन समय में शासकीय पॉलिटेक्निक कालेज से भी प्रवेश के संबंध में जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में भेड़ौरा नदी की साफ सफाई में हजारों ने किया श्रमदान, सांसद ने कहा-

नदियों के संरक्षण से ही हमारी भावी पीढ़ी का जीवन सुरक्षित होगा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले भर में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नदियों की साफ सफाई और उनके उ–म स्थालों में सुधार का कार्य किया जा रहा है। इस क्रम में रायपुर कर्चुलियान विकासखण्ड में भेड़ौरा नदी में जन अभियान परिषद द्वारा प्रशासन के सहयोग से साफ सफाई का अभियान शुरू किया गया। इस अवसर पर आयोजित जल संवाद कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद श्री जनार्दन मिश्रा ने कहा कि नदियों के संरक्षण से ही हमारी भावी पीढ़ी का जीवन सुरक्षित रहेगा। नदियाँ बहुत महत्वपूर्ण प्राकृतिक संपादा हैं। नदियों पर लाखों जीव जन्तुओं और पौधों का जीवन निर्भर है। नदियाँ पानी के संचार, खेती और जल संसाधन के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। नदियों में पानी को साफ करने की नैसर्गिक क्षमता रहती है। पर्यावरण को संतुलित बनाने में भी नदियों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। इस लिए हर छोटी-बड़ी नदी के उ–म स्थल को साफ सुथरा और सुरक्षित बनाने एवं नदियों की पुर्नजीवित करने की आवश्यकता है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से हम सबको जल संरक्षण में सहयोग का अवसर दिया है। हर व्यक्ति पानी की बचत करें और पानी के सरंक्षण तथा संवर्धन में योगदान दें। जल संवाद कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से पूरे जिले में जल संरक्षण के कार्य किये जा रहे हैं। पूराने जल स्त्रोतों के जीर्णोद्धार और सुधार के साथ-साथ नवीन संरचनाओं का निर्माण भी किया जा रहा है। कुंओं तथा हैण्डपंपों में रिचार्ज पिट बनाकर उनमें वर्षा जल को संचित करने का प्रयास किया जा रहा है। आम जनता भी जल संरक्षण में अच्छा योगदान दे रही हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान सबके सहयोग से ही सफल होगा। कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के संभागीय समन्वयक प्रवीण पाठक ने कहा कि शासन के निर्देशों के अनुरूप जन अभियान परिषद के द्वारा आमजनता के सहयोग से भेड़ौरा नदी के पुनर्जीवन का अभियान शुरू किया गया है। इस नदी की कुल लम्बाई 20 किलो मीटर है। इस नदी से 18 गांव के निवासियों को निस्तार के लिए पानी मिलता है। जल अभियान परिषद द्वारा नदी की महत्ता स्थापित करने के लिए जल गंगा यात्रा का आयोजन सभी 18 गांव में किया जा रहा है। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी योगेन्द्र शुक्ला, जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संजय सिंह तथा विकासखण्ड समन्वयक सुषमा शुक्ला ने भी अपने विचार व्यक्त किये। जल संवाद का संचालन सिद्धार्थ श्रीवास्तव तथा राजराखन पटेल ने किया। कार्यक्रम डॉ. जीएन श्रीवास्तव, अमित अवस्थी, ब्राम्हाकुमारी संस्थान के बी.के. प्रकाश, सहायक यंत्री मनीषा मिश्रा, सरपंचगण, सचिव, रोजगार सहायक, नवांकुर संस्था तथा प्रस्फुटन समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

सरभंगा में खर्च होंगे 2 करोड़, 200 कैमरे और तीन वॉच टावर बनेंगे

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में स्थित सरभंगा सर्किल के वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए वन विभाग ने विशेष कार्य योजना तैयार की है। इस योजना पर 2 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। यह राशि एमपी टाइगर फाउंडेशन सोसायटी के पास खनिज मद में जमा थी। सरभंगा के जंगल में वर्तमान में 28 बाघ निवास करते हैं। इनमें 25 टाइगर और 3 टाइग्रेस शामिल हैं। यह मध्य प्रदेश का एकमात्र खुला जंगल है, जहां इतनी बड़ी संख्या में बाघ पाए जाते हैं।

कार्य योजना के तहत कई नई सुविधाएं विकसित की जाएंगी। वन क्षेत्र में 3 नए पक्के वॉच टावर बनाए जाएंगे। वर्तमान में एक पक्का और दो कच्चे वॉच टावर हैं। दो नए तालाब का निर्माण किया जाएगा। मौजूदा दो तालाबों के अलावा तीन नए वाटर टैंक भी स्थापित किए जाएंगे।

वन्य जीवों की निगरानी के लिए 200 नए ट्रैप कैमरे लगाए जाएंगे। अभी वहां 40 कैमरे कार्यरत हैं। वन विभाग के कर्मचारियों को 50 मोबाइल फोन दिए जाएंगे। इन फोन में एम स्ट्रिप एप होगा, जो वन्य प्राणियों की ट्रैकिंग में सहायक होगा।

डीएफओ मयंक चांदीवाल के अनुसार कार्य योजना का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। मंजूरी मिलते ही काम शुरू कर दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 8 वर्ष पहले इसी क्षेत्र में टाइगर रिजर्व वाइल्ड लाइफ सेंचुरी प्रस्तावित की गई थी, लेकिन विभिन्न कारणों से वह योजना लागू नहीं हो सकी।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बनवायेगा निराश्रित बच्चों के आधार कार्ड

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के अनुसार निराश्रित बच्चों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए उनके आधार कार्ड बनाने का अभियान शुरू किया गया है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री राकेश मोहन प्रधान के मार्गदर्शन में रीवा जिले में निराश्रित बच्चों के आधार कार्ड बनाने के लिए साथी अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निराश्रित बच्चों के आधार कार्ड बनाये जा रहे हैं।

इस संबंध में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव न्यायाधीश समीर कुमार मिश्र ने बताया कि अभियान की तैयारी के लिए गत दिवस बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में निराश्रित बच्चों को आधार कार्ड बनाकर उन्हें वैधानिक दस्तावेज देने तथा समाज कल्याण योजनाओं का लाभ देने का निर्णय दिया गया है। आधार कार्ड बनाने के लिए साथी अभियान 26 मई से 5 अगस्त तक चलाया जायेगा। अभियान के दौरान 18 साल से कम आयु के निराश्रित बच्चों का चिन्हांकन करे उनके आधार कार्ड बनाये जायेंगे। इन बच्चों का चिन्हांकन आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशाकार्यकर्ता, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा पैरालीगल वालेंटियर के माध्यम से किया जायेगा।

इसके लिए मुख्य रूप से रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थल, मंदिर परिसर, झुग्गी बस्तियों तथा निराश्रित बच्चों की देखभाल करने वाली संस्थाओं में जाकर निराश्रित बच्चों का चिन्हांकन किया जायेगा। आधार कार्ड बनाने की प्रक्रिया 27 जून से 5 अगस्त तक पूरी की जायेगी। अभियान की निगरानी के लिए जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है। समिति में जिला बाल संरक्षण अधिकारी, पुलिस अधिकारी, तहसीलदार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास, पैनल लायर्स तथा पैरालीगल वालेंटियर्स को शामिल किया गया है। समिति साथी अभियान के क्रियान्वयन की सतत निगरानी करेंगी।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।